दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

हैप्पी-सक्सेसफुल लाइफ... | तेज रफ्तार जीवनशैली....

वर्ष : 12 | अंक : 103 | लखनऊ, 06 अप्रैल, सोमवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

दरभंगा से बेंगलुरु के लिए सीधी उड़ान शुरू

दरभंगा। रविवार से बिहार के दरभंगा एयरपोर्ट से देश के 'आईटी हब' बेंगलुरु के लिए सीधी हवाई सेवा की शुरू हो गई है। अब यात्रियों को बेंगलुरु जाने के लिए पटना या कोलकाता के चक्कर नहीं काटने होंगे। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक संजय सरावगी ने क्षेत्र के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पूरे मिथिलांचल और बिहार के लिए गर्व की बात है।

धनबाद में सिलेंडर ब्लास्ट में 3 लोगों की मौत

धनबाद। झारखंड के धनबाद जिले में दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां गैस कटर का सिलेंडर फटने से 3 लोगों की मौत हो गई और इस हादसे में 2 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसे के वक्त घटनास्थल पर 8-10 लोग मौजूद थे। ब्लास्ट के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है।

खबर संक्षेप

दिल्ली-देहरादून 'वे' की सौगात 14 को

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। यह एक्सप्रेसवे उत्तर भारत के रोड इंफ्रास्ट्रक्चर में मील का पत्थर साबित होगा। एक्सप्रेसवे से यात्रा का समय लगभग 2.5 घंटे जाएगा। 210 किलोमीटर का यह कॉरिडोर सुगम यात्रा कराएगा।

खरात मामला: संपत्तियों की जांच ईडी करेगी

मुंबई। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अशोक खरात के मामले में कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) होने की जांच की जाएगी। बाबा की संपत्तियों की जांच ईडी करेगी। किसी को भी इस तरह कॉल रिकॉर्ड हासिल करने का अधिकार नहीं है। यह बयान एक अहम 'चर्चा' के बाद आया है।

गंगा स्नान के दौरान 2 दोस्त तेज बहाव में बहे

हरिद्वार। कोतवाली नगर क्षेत्र के दूधिया बंध में रविवार सुबह गंगा स्नान के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। स्नान करते समय दो युवक गंगा में डूब गए। पुलिस और जल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

बागेश्वर में 3.7 तीव्रता के भूकंप के झटके लगे

बागेश्वर। उत्तराखंड के बागेश्वर में रविवार की सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। सुबह 11.47 बजे पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 मापी गई। भूकंप का केंद्र कपकोट तहसील के कर्मी गांव के समीप जमीन के भीतर 10 किमी की गहराई पर दर्ज किया गया। लोगों पर असर नहीं पड़ा।

लखनऊ में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

'जो माफिया मिट्टी में मिले, उन्हीं का एक रूप था सालार मसूद', महाराज सुहेलदेव ने उन्हें मारकर संस्कृति बचाई

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतेंदु नाट्य अकादमी के स्वर्ण जयंती समारोह में महाराजा सुहेलदेव को याद किया। उन्होंने कहा कि समाज ने उन्हें भुला दिया था, लेकिन अब पीएम की प्रेरणा से उनकी स्मृति में स्मारक बना है।

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/लखनऊ,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतेंदु नाट्य अकादमी के स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि हमारे समाज ने महाराजा सुहेलदेव को भुला दिया। एक हजार वर्ष के बाद पीएम की प्रेरणा से हमारी सरकार को ये गौरव प्राप्त हुआ कि हम उनका स्मारक उस स्थान पर बना सके, जिस स्थान पर महाराज सुहेलदेव ने सालार मसूद को मारा था। वहां सालार का मेला लगता था, सुहेलदेव का नहीं।

उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति को बचाने के लिए सुहेल देव ने योगदान दिया, उन्हें कोई याद नहीं करता था। अब भीड़ उल्टा महाराज सुहेलदेव के मेले में जा रही। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई और महाराजा सुहेलदेव जैसे नायकों को स्कूल कॉलेजों में नाटक श्रृंखला के माध्यम से प्रस्तुत करें। योगी ने इससे पहले अकादमी के 15 पूर्व विद्यार्थियों व रंगकर्मियों को सम्मानित भी किया।

खास बातें

- मुख्यमंत्री योगी ने भारतेंदु नाट्य अकादमी समारोह में हिस्सा लिया
- रानी लक्ष्मीबाई और महाराजा सुहेलदेव पर नाटक बनाने का आह्वान

सालार मसूद भारत को लूटने के लिए आया था

मुख्यमंत्री ने कहा कि सालार मसूद किसी माफिया से कम नहीं था। ये जो माफिया मिट्टी में मिले हैं, उन्हीं का एक रूप था। सालार मसूद भारत को लूटने के लिए आया था। इसने सोमनाथ मंदिर को ही नहीं तोड़ा था, अयोध्या में पहली बार राम मंदिर को भी क्षतिग्रस्त किया था। महराज सुहेलदेव उसे उस मौत मारा जो इस्लाम में सबसे खराब मानी जाती है। गर्म लोहे के तवे में बाध जलाया था उसको। इस्लाम में माना जाता है कि इस प्रकार की मौत जहन्नुम में जाने की गारंटी होती है। जब तक अत्याचारी के साथ इस प्रकार का व्यवहार नहीं करेंगे तब तक वह भारत की संस्कृति पर इसी प्रकार का प्रहार करता रहेगा।

64.5 करोड़ से बनेंगे दो बड़े पुल; निर्माण के लिए जारी किए 2227 लाख

हरदोई। शाहाबाद क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए दो महत्वपूर्ण पुलों के निर्माण को प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन परियोजनाओं से क्षेत्रीय जनता को आवागमन में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इस उपलब्धि पर मंत्री रजनी तिवारी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। मंत्री रजनी तिवारी ने बताया कि गर्रा नदी पर परियल घाट (शाहाबाद) से इटोरा (शाहजहांपुर) के मध्य सेतु निर्माण के लिए 47 करोड़ 99 लाख 49 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है।

15 करोड़ 64 लाख की स्वीकृति

इसके अलावा शाहाबाद-सांडी मुख्य मार्ग पर कस्बा शिरोमननगर में सुखेता नदी पर पुल निर्माण हेतु 15 करोड़ 64 लाख 40 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है। इस परियोजना के लिए 547.54 लाख रुपये की धनराशि भी सेतु निगम को जारी की गई है।

पटना के गांधी मैदान में खोला मोर्चा

काली पट्टी बांधकर महिलाओं ने कहा-नीतीश नहीं तो निशांत

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

यहां गांधी मैदान में गांधी मूर्ति के नीचे महिलाओं का एक बड़ा हुजूम उमड़ा। हाथों में तख्तियां, बैनर व माथे पर काली पट्टी बांधकर बैठी इन महिलाओं ने साफ़ संदेश दिया कि अगर नीतीश कुमार कुर्सी छोड़ते हैं, तो उनका उत्तराधिकारी उनके पुत्र निशांत कुमार को होना चाहिए। 'सुधार वाहिनी' के बैनर तले आयोजित इस सत्याग्रह में बिहार के हर कोनों से आई महिलाओं ने नीतीश कुमार के शासनकाल में हुए महिला सशक्तिकरण की जमकर तारीफ की। आंदोलन का नेतृत्व कर रही प्रतिभा सिंह ने कहा-मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया, शराबबंदी जैसे बड़े फैसले लिए और हमें समाज में बराबरी का हक दिलाया।

विरासत को पुत्र ही आगे बढ़ा सकता है

महिलाओं ने साफ कहा कि नीतीश कुमार की विरासत को उनका पुत्र ही सही तरीके से आगे बढ़ा सकता है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों पर गौर नहीं किया गया, तो यह आंदोलन और बड़ा रूप लेगा। आमतौर पर राजनीति से दूर रहने वाले निशांत कुमार के समर्थन में इस तरह का प्रदर्शन बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है।

'नेशनल मेरीटाइम डे' के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा

लोगों की मेहनत व समर्पण को सराहा, देश के समुद्री क्षेत्र की अपार क्षमता का उपयोग करेंगे

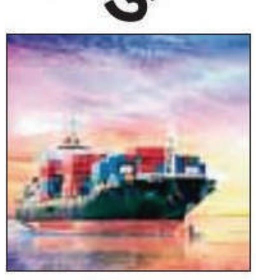

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पीएम मोदी 'नेशनल मेरीटाइम डे' के अवसर पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत केंद्रीय मंत्रियों ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोगों के योगदान को सराहा।पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि यह दिन भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को याद करने और इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के अमूल्य योगदान को सम्मान देने का अवसर है। समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोगों की मेहनत और समर्पण देश की अर्थव्यवस्था, व्यापार और कनेक्टिविटी को मजबूत बनाता है। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत अपने समुद्री क्षेत्र की अपार संभावनाओं का उपयोग कर एक समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ता रहेगा।

भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को याद किया

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्रियों ने भी दी शुभकामनाएं

21वीं सदी में भारत में बंदरगाहों की क्षमता दोगुनी हो गई

पीएम मोदी ने एक वीडियो संदेश भी साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में, भारत का समुद्री क्षेत्र तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। हमने सदियों पुराने औपनिवेशिक शिपिंग कानूनों की जगह 21वीं सदी के आधुनिक और भविष्योन्मुखी कानून लागू किए हैं। ये नए कानून राज्य समुद्री बोर्डों को सशक्त बनाते हैं, सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत करते हैं, और बंदरगाह प्रबंधन को डिजिटल बनाते हैं।

नाविकों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को सलाम

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने देश के नाविकों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को सलाम किया। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट के जरिए कहा कि भारत की समुद्री विरासत हमारी ताकत है और यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार को आगे बढ़ाने के साथ-साथ देश के तटीय इलाकों की सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाता है।

अमित शाह ने कहा

देश के विकास को आगे बढ़ाने में रहे अहम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि राष्ट्रीय समुद्री दिवस के अवसर पर भारत के समुद्री क्षेत्र के कर्मियों को मेरी शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि शांति के समय हो या मुश्किलों भरे दौर में, देश के विकास को आगे बढ़ाने में आपके पेशेवरपन और साहस ने अहम भूमिका निभाई है। देश आपकी निष्ठा को सलाम करता है।

दिलेर नाविकों को बधाई: पुरी

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, सदियों से भारत की समुद्री मार्गों के जरिए दुनिया से जुड़ने की एक गौरवशाली परंपरा रही है। राष्ट्रीय समुद्री दिवस के मौके पर मैं साहसी और दिलेर नाविकों को बधाई देता हूं।

राष्ट्रीय समुद्री दिवस की अहमियत

राष्ट्रीय समुद्री दिवस हर साल 5 अप्रैल को मनाया जाता है। यह दिन 1919 में भारत के पहले स्वामित्व वाले जहाज 'एसएस लॉयल्टी' की मुंबई से लंदन तक की पहली यात्रा की याद में मनाया जाता है। उस समय भारतीय शिपिंग ने ब्रिटिश एकाधिकार को चुनौती दी थी।

इस दिन का पहला आयोजन 1964 में किया गया था। भारत के विजन 2047 के तहत समुद्री क्षेत्र को और मजबूत बनाने की योजना है। वर्तमान में यह क्षेत्र देश की जीडीपी में लगभग 4 प्रतिशत का योगदान देता है, जिसे 2047 तक बढ़ाकर दो अंकों तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने और 1 करोड़ से ज्यादा नई नौकरियां पैदा करने का भी लक्ष्य निर्धारित किया गया।

किसान सम्मान पर शिवराज का फैसला

किसान चिंता न करें, फसलों को नुकसान की करेंगे भरपाई

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पीएम किसान योजना की 23वीं किश्त जुलाई में आ सकती है। इसके पहले केंद्र सरकार ने उससे पहले ही एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय कृषि एवं किसान एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय के अधिकारियों को कई राज्यों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान की समीक्षा करने का निर्देश दिया है। मंत्री ने अधिकारियों को राज्यों के अधिकारियों से संपर्क करने और फसलों को हुए नुकसान की जानकारी जुटाने का निर्देश दिया है। चौहान ने किसानों को आश्वासन दिया चिंता करने की आवश्यकता नहीं है और केंद्र सरकार उनके साथ खड़ी है।

उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में फसलें क्षतिग्रस्त

उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से गेहूं सहित खड़ी रबी की फसलों को नुकसान पहुंचा है। उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में 4,053.11 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फसलें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिससे 14,207 किसान प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि यूपी का ललितपुर जिला सबसे अधिक प्रभावित है, यहां 1,650.75 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें क्षतिग्रस्त हुई हैं और 3,142 किसान प्रभावित हुए हैं। ललितपुर में मार्च में लगभग 118.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि सामान्य बारिश लगभग 30.3 मिमी होती है। ललितपुर के अलावा, सहारनपुर में भी फसल का नुकसान हुआ है, जहां 11 हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ है, जिसमें पांच गांवों के लगभग 44 किसान शामिल हैं।

पंजाब में बारिश ने किया कटाई को बाधित

पंजाब में बेमौसम भारी बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं ने गेहूं की कटाई को बाधित कर दिया है, जिससे किसानों में गंभीर चिंता पैदा हो गई है राज्य के कई हिस्सों में गेहूं की फसल पक चुकी है और शेष क्षेत्रों में पकने के अंतिम चरण में है। लेकिन खेतों में अधिक बारिश के कारण कटाई में देरी हो रही है। किसानों का कहना है कि लगातार बारिश के कारण कटाई मशीनों को चलाना मुश्किल हो गया है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण यह प्रतिकूल मौसम उत्पन्न हुआ है।

ओडिशा में बढ़ा आरक्षण का दायरा

एससी-एसटी और ओबीसी के लिए 12 से 22.5 फीसदी किया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

ओडिशा सरकार ने राज्य में सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देने की दिशा में अहम कदम उठाया है। सरकार ने अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) और सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (एसईबीसी) के लिए चिकित्सा और तकनीकी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण के कोटे में वृद्धि की है। यह फैसला मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। माझी ने बताया कि एसटी छात्रों के लिए कोटा 12 से बढ़ाकर 22.50 प्रतिशत कर दिया गया है। एससी छात्रों के लिए आरक्षण 8 प्रतिशत से बढ़ाकर 16.25 प्रतिशत किया गया है। ओडिशा में सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (एसईबीसी) के रूप में पहचाने जाने वाले ओबीसी छात्रों के लिए राज्य सरकार ने 11.25 प्रतिशत का आरक्षण भी शुरू किया है।

लोकसभा-विधानसभा सीटों की बढ़ोतरी पर कांग्रेस का आरोप

यह केवल ध्यान भटकाने का हथियार और धोखा

कांग्रेस के जयराम ने प्रधानमंत्री मोदी पर साधा निशाना

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी के लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का कहना है कि यह कदम बड़े और अधिक आबादी वाले राज्यों को लाभ पहुंचाएगा । यह जनता का ध्यान भटकाने का एक हथियार है। संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा प्रधानमंत्री अपने पुराने पैंतरे पर हैं, भ्रामक बयान दे रहे हैं जिनका मकसद धोखा देना है। वह कहते हैं कि यदि लोकसभा की ताकत 50 फीसदी बढ़ाई जाती है और प्रत्येक राज्य की लोकसभा सीटों की संख्या भी 50 फीसदी बढ़ाई जाती है, तो दक्षिण भारतीय राज्यों को कोई नुकसान नहीं होगा।

बजट सत्र को 3 दिन के लिए बढ़ाया

प्रधानमंत्री ने हाल ही में एक चुनावी रैली में कहा था कि बजट सत्र को 3 दिनों के लिए बढ़ाया गया है ताकि महिला आरक्षण कानून को 2029 से लागू किया जा सके। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव से केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गोवा या तेलंगाना हो, में लोकसभा सीटों की संख्या में कमी नहीं आएगी।

बिना बहस 'ताकत' बढ़ाने की बात कर रहे

जयराम ने कहा राष्ट्र गंभीर आर्थिक और विदेश नीति संकट का सामना कर रहा है। प्रधानमंत्री की एकमात्र चिंता लोकसभा और विधानसभाओं की ताकत बढ़ाने की है, वह भी बिना किसी सार्थक परामर्श और सार्वजनिक बहस के।

ऐसे कई उदाहरण सामने आए

रमेश ने कहा यह देश की जनता को धोखा देना है, जिसमें प्रधानमंत्री को महारत हासिल है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश और केरल के बीच लोकसभा सीटों का अंतर अभी 60 है, जो मोदी के प्रस्ताव से बढ़कर 90 हो जाएगा। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के बीच का अंतर कम से कम 61 हो जाएगा। ऐसे कई उदाहरण दिए जा सकते हैं। पीएम मोदी एक ऐसे प्रस्ताव को जबरन आगे बढ़ा रहे हैं जो बड़े और अधिक आबादी वाले राज्यों को अधिक लाभ पहुंचाएगा।

संक्षेप

छेड़खानी के विरोध पर दंपति और बेटी को पीटा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में किराए के मकान में रहने वाली एक महिला के साथ छेड़खानी का विरोध करना परिवार को भारी पड़ गया। आरोप है कि विरोध से नाराज आरोपी ने परिजनों के साथ मिलकर घर में घुसकर महिला, उसके पति और बेटी संग मारपीट की ।पीड़िता ने बताया कि उसके घर के सामने स्थित शराब ठेके के पास हेमू नाम का व्यक्ति ठेला लगाता है ।करीब एक वर्ष पहले उसने नंबर लेकर फोन कर परेशान करने लगा।महिला ने तंग आकर बीते पांच-छह माह से उसका फोन उठाना बंद कर दिया।इसके बाद आरोपी रास्ते में घूरने और छेड़खानी करने लगा। शनिवार को पीड़िता के पति ने उसकी हरकत देख ली। विरोध पर आरोपी मारपीट करने लगा।सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। कुछ देर बाद आरोपी हेमू अपनी पत्नी प्रेमा, बेटी इंद्राणी, कंचन पत्नी राममिलन व अन्य सहयोगियों संग घर में घुस आया और परिवार पर हमला कर दिया।

लापता युवक का शव गोमती नदी में मिला

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। महानगर थानाक्षेत्र के बीरबल साहनी मार्ग स्थित गोमती नदी में रविवार सुबह एक युवक का शव मिला। परिजनों ने बताया कि युवक ऑनलाइन गेमिंग का लती था ।खदरा के कदम रसूल निवासी कंचू का 22 वर्षीय बेटा हर्ष सोनकर पिता के साथ मोहिबुल्लापुर स्थित मंडी में आढ़त का काम करता था।शुक्रवार रात काम खत्म कर वह घर गया और बाइक लेकर कहीं चला गया।काफी देर तक हर्ष के न लौटने पर परिजनों ने फोन किया, लेकिन जवाब नहीं मिला। रविवार की सुबह युवक का शव बीरबल साहनी मार्ग स्थित गोमती नदी में मिला।शव की शिनाख्त हर्ष के रूप में हुई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि हर्ष ऑनलाइन गेमिंग का लती था। हाल ही में वह गेम में कुछ रुपये भी हारा था।इंस्पेक्टर अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि परिवार ने कोई आरोप नहीं लगाया है, हर्ष किस गेम में कितने रुपये हारा अभी यह स्पष्ट नहीं है।पास से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है।

बदाली खेड़ा में सीसी रोड निर्माण कार्य का किया गया शिलान्यास

पार्षद रामनरेश ने अपने प्रतिनिधि से विकास कार्य का कराया शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ।सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड के बदाली खेड़ा में रविवार को करीब 700 मीटर लंबी व 3 मीटर चौड़ी सीसी रोड निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। यह कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा महापौर सुषमा खर्कवाल, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर एवं क्षेत्रीय विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के सहयोग से कराया जाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम की शुरूआत पूजा-अर्चना के साथ हुई। इस दौरान मंडल अध्यक्ष केके श्रीवास्तव व पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने नारियल फोड़कर, जबकि अशोक ओझा और सूर्यकुमार मिश्रा ने फावड़ा चलाकर निर्माण कार्य की शुरूआत कराई।पार्षद प्रतिनिधि संतोष त्रिपाठी ने बताया कि यह सड़क बदाली खेड़ा की प्रमुख मार्गों में से एक है, जहां प्रतिदिन भारी तादाद में लोगों का आवागमन होता है।उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य डॉ. लाल जी मौर्य के क्लीनिक से लेकर पाल जी के शिव मंदिर होते हुए राजकुमार उपाध्याय के घर तक और सत्यलोकेश्वर मंदिर से जेपी वर्मा के मकान तक कराया जाएगा। इस परियोजना पर लगभग 1.40 लाख रुपये की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह एवं पार्षद रामनरेश रावत के साथ-साथ भाजपा कार्यकताओं और मंडल पदाधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।उनके संयुक्त प्रयासों से क्षेत्र में लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर संतोष त्रिपाठी ने सांसद एवं केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर, भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. नीरज सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, शिव शंकर सिंह (शंकरी) सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में प्रीति शर्मा, फूलचंद गौतम, पंकज कुमार, अमित कुमार, राजेश कुमार पाल, सतीश रावत, हिमांशु, सूबेदार, प्रिंस, चंदन, शिवा, ऋषि राम, संजय चौधरी, अभिषेक, कुलदीप, तेज कुमार, विवेक तिवारी सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

स्लीपर कोच बस के खिलाफ मकान मालिक ने दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मोहनलालगंज फुलवरिया मोड़ पर मंगलवार की देर रात्रि तेज रफ्तार स्लीपर कोच बस एक मकान व उसमें खुली एसी की दुकान में घुस गई थी। जिससे मकान का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। बस चालक व परिचालक गम्भीर रुप से जख्मी हो गए थे। जिन्हें एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था। मकान मालिक इस्लाम मोहम्मद ने बस चालक के खिलाफ मकान क्षतिग्रस्त करने व दुकान में बस घुस जाने से वहां रखी एसी व फ्रिज खराब हो जाने का मुकदमा दर्ज कराया है।

निकला ईस्टर का जुलूस, प्रभु यीशु को किया याद

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।प्रभु यीशु मसीह के पुनः जी उठने की खुशी में रविवार को ईसाई धर्मावलंबियों ने श्रद्धा और उल्लास के साथ ईस्टर जुलूस निकाला। सेंट्रल मेथोडिस्ट चर्च से शाम को निकले जुलूस में मैथोडिस्ट, कैथोलिक, एसेम्बली ऑफ बिलीवर्स चर्च के बिशप, पादरी और बड़ी संख्या में ईसाई महिला, पुरुष, वृद्ध व बच्चे शामिल हुए। हाथों में प्रभु यीशु के संदेश के बैनर व जुबा पर प्रभु यीशु के पुनः जीवित होने के गीत गाते हुए निकले। सेंट जोसफ कैथिड्रल पर जुलूस के पहुंचने के बाद यहां प्रार्थना सभा हुई। प्रभु यीशु के दोबारा अवतारित होने की खुशी में लालबाग स्थित सेंट्रल मेथोडिस्ट चर्च से यूनाइटेड क्रिस्चियन ईस्टर प्रोसेसन कमेटी के बैनर तले जुलूस निकाला गया।जुलूस में धार्मिक प्रतीक सलीब (क्रॉस) के पीछे विभिन्न चर्चो के विशप, पादरी पाराम्परिक वेषभूषा में चल रहे थे। इसके पीछे दो पंक्तियों में अन्य लोग अपने-अपने चर्चो के बैनर के साथ यीशु के फिर से जीवित होने के गीत गाओ-गाओ जय के गीत गायो..., जी उठा है मसीहा खुशी मनाओ..., गाते, ताली बजाते हुए श्रद्धा के साथ निकले। ईस्टर जुलूस कैसरबाग चौराहे होते हुए बीएन रोड, नूर मंज़िल के सामने से नॉवेल्टी टाकीज होते हुए हजारतगंज स्थित सेंट जोसफ कैथिड्रल चर्च पर समाप्त हुआ।यहां पर विभिन्न बिशपों द्वारा ईस्टर का संदेश और मुबारकबाद दी गई। कैथिड्रल में फादर एलियास द्वारा आराधना की गई। प्रारम्भिक प्रार्थना एजी चर्च से रेवनन लॉरेंस जोसेफ ने की। असेंबली ऑफ बिलीवर्स चर्च के बिशप ऑगस्टस एंथोनी ने ईस्टर संदेश दिया।पादरी डॉ. अरुण सिंह ने धर्मग्रंथ का पाठ किया। समापन प्रार्थना कैथोलिक चर्च के बिशप डॉ जेराल्ड जॉन मथायस द्वारा की गई।

बंथरा बाजार में पाइपलाइन कार्य से लगा भीषण जाम, एंबुलेंस भी फंसी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। कानपुर हाईवे स्थित बंथरा बाजार में रविवार को एक बार फिर भारी जाम लग गया, जिससे राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम की मुख्य वजह बाजार क्षेत्र में पाइपलाइन डालने के लिए सड़क की खुदाई और ट्रैफिक डायवर्जन रही। सुबह करीब 11 बजे शुरू हुआ जाम धीरे-धीरे विकराल रूप लेता गया। हालत यह रही कि कानपुर से लखनऊ की ओर जाने वाले मार्ग पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब एक किलोमीटर लंबे जाम में सैकड़ों वाहन फंस गए, वहीं एक एंबुलेंस भी काफी देर तक जाम में फंसी रही, जिससे स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। रविवार को बंथरा में साप्ताहिक बाजार लगने के कारण भीड़ सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक थी। अनाज, सब्जी और पशु बाजार के चलते आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में व्यापारी और खरीदार यहां पहुंचे थे।संकरी सड़क होने के कारण एक समय में केवल एक वाहन के निकलने की व्यवस्था है, जिससे आमने-सामने वाहनों के आ जाने पर जाम की स्थिति और बिगड़ गई। दोपहर करीब डेढ़ बजे तक जाम लखनऊ की ओर हनुमान मंदिर और कानपुर की ओर दादूपुर मोड़ तक पहुंच गया।हालात इतने खराब हो गए कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया और लोग वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेने लगे। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस और ट्रैफिक विभाग सक्रिय हुआ, वहीं स्थानीय दुकानदारों और लोगों ने भी मोर्चा संभालते हुए रास्ता खुलवाने में मदद की। ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी में धीरे-धीरे यातायात सामान्य कराया गया। डीसीपी ट्रैफिक ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी देते हुए बताया कि स्कूटर इंडिया चौराहे पर निर्माण कार्य और बंथरा बाजार में पाइपलाइन बिछाने के चलते ट्रैफिक को रोक-रोककर चलाया गया, जिससे जाम की स्थिति बनी।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि साप्ताहिक बाजार के दिनों में विशेष ट्रैफिक व्यवस्था और पुलिस की नियमित तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या से बचा जा सके।

ठेले में घाटा पड़ा तो बन गया चेन स्नेचर, पीजीआई पुलिस ने दबोचा शातिर

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। साहब, ठेले में घाटा हो गया इसलिए लूट करने लगा। यह कबूलनामा उस शातिर चेन स्नेचर का है, जिसे पीजीआई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। फास्ट फूड का ठेला लगाने वाला आरोपी नुकसान की भरपाई के लिए सुनसान सड़कों पर महिलाओं को निशाना बनाकर चेन और मंगलसूत्र झपटने लगा था। पुलिस कमिश्नरेट के दक्षिणी जोन के पीजीआई थाना क्षेत्र में हुई ताबड़तोड़ झपटमारी की घटनाओं का खुलासा करते हुए पुलिस ने शनिवार रात आरोपी को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपी की पहचान विशाल खत्री (53) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में वृंदावन योजना सेक्टर-6 में रहता है और मूल रूप से पंजाब के फगवाड़ा का निवासी है।

मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तारी

पीजीआई पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि संदिग्ध व्यक्ति पीतांबरा शक्तिपीठ के सामने से गुजरने वाला है। घेराबंदी कर पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की तो वह भागने लगा, लेकिन टीम ने उसे पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से टूटी हुई पीली धातु की चेन, एक लॉकेट, दो कीपैड मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद हुई।

दो दिन में दो वारदातों का खुलासा

पुलिस के अनुसार, 4 अप्रैल को ट्रॉमा सेंटर के पास एक युवती से चेन और उतरेठिया इलाके में एक महिला से मंगलसूत्र छीनने की घटनाएं सामने आई थीं। दोनों मामलों में मुकदमे दर्ज कर जांच की जा रही थी। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद इन घटनाओं का खुलासा हो गया है।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साथी विपिन यादव के साथ मिलकर झपटमारी करता था। 28 मार्च को भी दोनों ने पंचमखेड़ा क्षेत्र में एक महिला से चेन छीनी थी, जो उसका साथी लेकर फरार है।पुलिस अब उसके साथी की तलाश में जुटी है।

लंबा आपराधिक इतिहास

पुलिस के मुताबिक, आरोपी पर लखनऊ के विभिन्न थानों में लूट, चोरी और गैंगस्टर एक्ट सहित करीब 16 मुकदमे दर्ज हैं।वह पहले भी कई बार जेल जा चुका है, लेकिन बाहर आकर फिर से अपराध करने लगा।

आगे की कार्रवाई जारी

पीजीआई पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और उसे जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।वहीं, फरार साथी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

अज्ञात महिला का शव मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी

अमन लेखनी समाचार/हेमन्त यादव

झांसी। तहसील मऊरानीपुर क्षेत्र के अंतर्गत थाना लहचूरा-बम्होरी क्षेत्र में ग्राम बरौटा के पास सोमवार को दोपहर एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दिए जाने पर पुलिस तत्काल लहचूरा थाना प्रभारी सरिता मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया।फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खबर लिखे जाने तक मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में पहचान कराने का प्रयास कर रही है और मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, झांसी का बयान:

पुलिस अधीक्षक झांसी (ग्रामीण) अरविंद कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मिक्सर ट्रक ने डॉक्टर को घर के पास रौंदा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ ।मड़ियांव क्षेत्र में मिक्सर ट्रक ने एक डॉक्टर को रौंद दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया।दुर्घटना मड़ियांव थाना क्षेत्र में शनिवार शाम 6:15 बजे शालीमार गार्डन के गेट पर हुई।मृतक की पहचान शालीमार गार्डन निवासी डा. जय प्रकाश गुप्ता (58) के रूप में हुई। उनकी पोस्टिंग कानपुर में थी। हर वीकेंड पर जय प्रकाश अपने परिवार के पास आते थे। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। बताते हैं कि सीमेंट मिक्स करने वाला ट्रक सड़क किनारे स्थित हाते से बाहर रॉन्ग साइड में मुड़ा। उसी दौरान डॉक्टर को रौंद दिया। पुलिस के अनुसार शालीमार सिटी के विला में डा. जय प्रकाश वर्मा पत्नी डा. अर्चना रानी और दो बेटों देवांश और देवेंद्र के साथ रहते थे। उनकी कानपुर के कमलापत मेमोरियल हॉस्पिटल में तैनाती थी। शनिवार को वह कानपुर से मड़ियांव स्थित घर आ रहे थे।चारबाग तक वह रोडवेज बस से आए। चारबाग से ऑटो से सोसायटी के गेट पर पहुंचे। गेट से उनके घर की दूरी करीब 200 मीटर है।उनका बड़ा बेटा देवांश उन्हें रिसीव करने गेट पर आने वाला था। इस दौरान गेट के पास रॉन्ग साइड जा रहे मिक्सर ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। मिक्सर ट्रक का पिछला पहिया उनके ऊपर से गुजर गया।इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गेट पर खड़े सुरक्षाकर्मी ने इसकी उनके परिजनों और पुलिस को सूचना दी। डा. जयप्रकाश वर्मा हर शनिवार शाम को लखनऊ स्थित घर आ जाते थे। सोमवार सुबह वापस कानपुर ड्यूटी पर जाते थे। बेटे ने ट्रक ड्राइवर के खिलाफ शिकायत दी : पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की।घटना स्थल पर लगे सीसी कैमरे में घटना कैद थी। पुलिस ने सीसीटी कैमरे की फुटेज के आधार पर मिक्सर ट्रक का नंबर पता किया। कुछ देर बाद मिक्सर ट्रक के ड्राइवर जीतू को गिरफ्तार कर लिया।

निःशुल्क भोजन वितरण सेवा का सफल आयोजन

बृज की रसोई के माध्यम से हर रविवार सेवा दिवस

अमन लेखनी समाचार

आशियाना , लखनऊ। प्रेरणा स्रोत बाबा नीम करोली जी की कृपा से इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (रजि.) द्वारा संचालित बृज की रसोई के अंतर्गत आशियाना, लखनऊ में प्रत्येक रविवार की भांति इस रविवार भी निःशुल्क भोजन वितरण सेवा का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया गया।संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने कहा यह सेवा प्रेरणा स्रोत बाबा नीम करोली जी की कृपा से संचालित है इस सेवा कार्य का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय, निराश्रित एवं जरूरतमंद व्यक्तियों तक सम्मानपूर्वक पौष्टिक भोजन पहुंचाना है।कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में बच्चों, वृद्धजनों एवं जरूरतमंदों को स्वच्छ एवं संतुलित भोजन वितरित किया गया, जिससे उनके चेहरों पर संतोष और खुशी स्पष्ट रूप से देखी गई। आदित्य शुक्ला ने बताया कार्यक्रम में संस्था के स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों ने पूर्ण समर्पण, अनुशासन एवं सेवा भाव के साथ अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। भोजन वितरण के साथ-साथ स्वच्छता, अनुशासन एवं मानवीय संवेदनाओं का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे पूरा वातावरण सेवा और सहयोग की भावना से ओत-प्रोत रहा। विकास पाण्डेय ने बताया कि प्रत्येक रविवार सेवा दिवस के रूप में यह अभियान निरंतर जारी रहेगा, जिसका उद्देश्य केवल भोजन कराना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग एवं मानवता के मूल्यों को सुदृढ़ करना भी है।आशीष श्रीवास्तव ने कहा इस अवसर पर संस्था ने समाज के जागरूक नागरिकों एवं दानदाताओं से अपील की कि वे इस प्रकार के सेवा कार्यों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने में सहयोग प्रदान करें। कार्यक्रम में सी. एच. तिवारी, आदित्य शुक्ला, बलवंत सिंह, प्रवीण पाण्डेय, आशीष श्रीवास्तव, अनुराग दुबे, अर्पित रावत, विकास पाण्डेय, अखिलेश सिंह, रामआसरे कनौजिया, गोविन्द सिंह सहित अनेक सहभागियों की सक्रिय सहभागिता रही। अनुराग दुबे ने अंत में संस्था ने सभी सहयोगियों, स्वयंसेवकों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्यों को और व्यापक रूप देने का संकल्प लिया।

निजी स्कूलों की मनमानी पर सवाल: किताबों के नाम पर अभिभावकों से जबरन वसूली, विरोध पर अभद्रता.......

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई, लखनऊ ।शहर के निजी स्कूलों से जुड़े बुक स्टोरों की मनमानी एक बार फिर उजागर हुई है। ताजा मामला पीजीआई थाना क्षेत्र का है, जहां एक निजी स्कूल से संबद्ध बुक स्टोर पर अभिभावकों को सिर्फ किताबें न देकर जबरन कॉपी और स्टेशनरी खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विरोध करने पर अभद्रता और मारपीट की कोशिश तक की गई।इस घटना ने निजी स्कूलों की कार्यप्रणाली और उनके द्वारा बनाए गए कथित ह्यसिस्टमह्ण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं ।मलाक नीलमथा निवासी प्रिंस लेनिन ने पीजीआई थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उनके दो बच्चे वृंदावन सेक्टर-9 स्थित एक निजी स्कूल में कक्षा 7 और 3 में अध्ययनरत हैं।स्कूल द्वारा निर्धारित किताबें केवल ह्यक्लेवर पेंसह्ण नामक बुक स्टोर पर उपलब्ध बताई गई हैं। आरोप है कि जब वह केवल किताबें खरीदने दुकान पहुंचे, तो वहां मौजूद अर्पण मुखर्जी ने किताबें देने से साफ इनकार कर दिया और कॉपी-स्टेशनरी के साथ पूरा सेट खरीदने की शर्त रख दी ।पीड़ित का कहना है कि वह कई बार दुकान के चक्कर काट चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें किसी न किसी बहाने से किताबें नहीं दी गईं। शनिवार दोपहर करीब 2:30 बजे जब वह अपने बच्चों के साथ दोबारा दुकान पहुंचे, तब भी दुकानदार ने डिस्ट्रीब्यूटर का हवाला देकर किताबें देने से मना कर दिया। विरोध करने पर दुकानदार ने न केवल गाली-गलौज की, बल्कि मारपीट पर उतारू हो गया ।प्रिंस लेनिन ने बताया कि उन्होंने बाजार से बेहतर गुणवत्ता की कॉपियां आधी कीमत पर खरीद ली थीं। इसी बात से नाराज होकर दुकानदार उन्हें किताबें देने से लगातार मना कर रहा है। इस वजह से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, जबकि स्कूल में 24 मार्च से सत्र शुरू हो चुका है ।यह मामला केवल एक अभिभावक की परेशानी नहीं, बल्कि निजी स्कूलों और उनसे जुड़े बुक स्टोरों के बीच कथित सांठगांठ की ओर इशारा करता है। अक्सर देखा जाता है कि स्कूल एक ही दुकान से किताबें और स्टेशनरी खरीदने का दबाव बनाते हैं, जिससे अभिभावकों को महंगे दाम चुकाने पड़ते हैं। बाजार में सस्ती और बेहतर सामग्री उपलब्ध होने के बावजूद उन्हें विकल्प नहीं दिया जाता। शिक्षा के नाम पर चल रही इस बिजनेस मॉडल ने अभिभावकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है।सवाल यह भी है कि क्या स्कूल प्रशासन को इस तरह की गतिविधियों की जानकारी नहीं होती, या फिर यह सब उनकी मौन सहमति से चल रहा है ।पीड़ित अभिभावक ने मामले की लिखित शिकायत पीजीआई थाने में दी है और आरोपी दुकानदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बाइक फिसलने से पति घायल, पत्नी की इलाज के दौरान मौत

हादसा

अमन लेखनी समाचार

मृतका नीतू फाइल – फोटो

लखनऊ। दवा लेकर बाइक से वापस घर लौट रहे दंपति की बाइक बारिश के कारण ओवरब्रिज के पास फिसल गई जिससे पत्नी कुछ दूर तक घसीटती हुई चली गई जिससे दंपति सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को सीएचसी पहुंचाया।जहां चिकित्सकों ने पति का प्राथमिक उपचार कर पत्नी की हालत गंभीर देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान पत्नी की मौत हो गई। हरदोई जनपद के माधौगंज निवासी रोहित पटेल शनिवार शाम को अपनी पत्नी नीतू के साथ लखनऊ कैंट आर्मी हॉस्पिटल से दवा लेकर वापस अपने घर लौट रहे थे। तभी रहीमाबाद थाना क्षेत्र के भतोइया गांव के पास पहुंचते ही बारिश होने लगी तभी हरदोई लखनऊ हाईवे पर रिटायर्ड फौजी की बाइक फिसल गई। जिससे उसपर सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में दोनों को मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया यहां चिकित्सकों ने रोहित का प्राथमिक उपचार कर पत्नी नीतू की हालत गंभीर देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान नीतू की देर रात मौत हो गई। मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।मृतका नीतू लखीमपुर कुंभी में सीएचसी पर संविदा कर्मी स्टाफ नर्स के पद पर कार्यरत थीं। और पति रिटायर्ड फौजी है।मृतका के परिवार में बेटा अक्षत पटेल और बेटी आकांक्षा पटेल है जिनका रो-रो कर बुराहाल है। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि बारिश के चलते बाइक फिसलने से हादसा हुआ। जिसमें महिला की मौत हो गई।

जर्जर खम्भे से हादसे का खतरा, शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।मोहनलालगंज क्षेत्र के मऊ कस्बे में नगर पंचायत कर्मचारियों की लापरवाही सामने आई है। बड़ी मस्जिद के पास लगा जर्जर लोहे का खम्भा कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। यह खम्भा झुककर एक व्यक्ति के मकान पर टिक गया है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय निवासी रशीद अली ने बताया कि उनके घर के पास लगे इस खम्भे पर हाईमास्ट लाइट के साथ-साथ आसपास के आठ-दस घरों को जाने वाले बिजली के केबल भी बंधे हुए हैं। कुछ दिन पहले खम्भा जर्जर होकर झुक गया और उनके घर पर आकर टिक गया, जिससे करंट फैलने का खतरा बढ़ गया है। पीड़ित ने नगर पंचायत कार्यालय में ईओ से शिकायत की, लेकिन समस्या का समाधान करने के बजाय मौके पर पहुंचे कर्मचारियों ने केवल नगर पंचायत की लाइट हटाई और वापस लौट गए।खम्भे में बंधे अन्य बिजली के तार अब भी खतरा बने हुए हैं। शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में रशीद अली ने अधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।इस पर संबंधित अधिकारियों ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जालसाजों ने केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर बैंक खातों और क्रेडिट कार्ड से लाखों ठगे

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ।बिजनौर थाना क्षेत्र में बीते दिनों जालसाजों ने केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर एक व्यक्ति के बैंक खातों और क्रेडिट कार्ड से करीब 1.94 लाख रुपये उड़ा लिए।जानकारी होने के बाद पीड़ित ने बिजनौर थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजनौर के करीम स्टेट कॉलोनी निवासी सुरेन्द्र कुमार अहिरवार के मुताबिक बीती 3 फरवरी 2026 को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को बैंक ऑफ इंडिया का अधिकारी बताते हुए संपर्क किया और केवाईसी के नाम पर खातों व कार्ड की गोपनीय जानकारी ले ली। साथ ही एक लिंक भेजकर उसे क्लिक करने के लिए कहा।सुरेंद्र का कहना है कि लिंक पर क्लिक करते ही उनके बैंक ऑफ इंडिया के दो खातों से कुल 82,250 रुपये निकल गए।इसके बाद एक अन्य नंबर से कॉल कर क्रेडिट कार्ड की जानकारी भी ले ली गई। इसके बाद 29 मार्च को उनके खाते से 27,500 रुपये और क्रेडिट कार्ड से 89,496 रुपये कई ट्रांजेक्शन में निकाल लिए गए।घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित ने बैंक पहुंचकर खातों को ब्लॉक कराया और एनसीआरपी पोर्टल व 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत करने के साथ बिजनौर थाने में मामले की तहरीर दी ।फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जांच शुरू कर दी है।

दुबग्गा में हादसे में युवक की मौत, शिनाख्त नहीं

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।दुबग्गा के हरदोई रोड पर दशहरी मोड़ के पास शनिवार देर रात पैदल सड़क पार कर रहे युवक को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी।इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि शनिवार देर रात युवक शराब के नशे में पैदल सड़क पार कर रहा था। तभी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस युवक को गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंची। वहां डॉक्टर ने युवक को भर्ती कर लिया। इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई।

संक्षेप

आदर्श शिक्षा प्रसार समिति के प्रबंध समिति का चुनाव सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा क्षेत्र के आदर्श इंटर कालेज पाठकपुर के आदर्श शिक्षा प्रसार प्रबंध समिति का अध्यक्ष उपाध्यक्ष , मंत्री ,कोषाध्यछ सहित अन्य पदों का चुनाव रजिस्टार ,सोसाइटीज एवम चिट्स लखनऊ स्थित कार्यालय पर अधिकारियों की देखरेख में सम्पन्न हुआ ।जिसमे अध्यक्ष श्रीनिवास उपाध्यक्ष रामेंद्र , अमित कुमार उप मंत्री नीरज कोषाध्यछ राजेश कुमार अग्निहोत्री तथा सदस्यों में शुसिल , रामचन्द्र ,सत्यम व अन्य सदस्य विजियी घोषित किये गए ।मतदान के दौरान महामंत्री एवम अन्य दो उपाध्यक्ष के मत बराबर होने से इन खाली पदों पर होनेवाले मतदान की तिथि अभी निर्धारित नही की गई ।विजियी प्रत्यासियो को गांव के योगेश त्रिपाठी ,आलोक , मनोज बाजपेई , मुजीब अहमद , जमाल अहमद परशुराम कुशवाह व अन्य ग्रामीणों ने माल्यर्पण करते हुए मुह मीठा कराते हुए बधाई दी।

अनियंत्रित कार गुमटी में घुसी महिला समेत तीन घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के अकरमपुर क्षेत्र में रविवार दोपहर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी गुमटी में जा घुसी। यह घटना मिर्जा टेनरी गेट नंबर-3 के सामने हुई। हादसे में गुमटी के पास खड़े तीन लोग और गुमटी के अंदर बैठी एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोपहर के समय सड़क पर सामान्य आवाजाही थी। तभी तेज गति से आ रही कार अचानक अनियंत्रित हो गई और चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। कार सीधे सड़क किनारे स्थित गुमटी को तोड़ते हुए अंदर जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि गुमटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई ।हादसे में गुमटी के पास खड़े तीन लोग कार की चपेट में आ गए, जबकि गुमटी के अंदर बैठी महिला भी टक्कर और मलबे के कारण चोटिल हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला। उन्होंने पुलिस और एंबुलेंस को घटना की सूचना दी। एंबुलेंस के पहुंचने पर सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया ।मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी। उनका अनुमान है कि चालक को नींद की झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ। हालांकि, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और चालक से पूछताछ की जा रही है ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सके ।घटना के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त गुमटी और कार को हटवाकर यातायात को सामान्य कराया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के लिए सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है और पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

प्रेम प्रसंग में हुई हत्या के मामले दो महिला समेत युवक गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के गांव बैजुआमऊ में शनिवार ?को प्रेम प्रसंग को लेकर हुए विवाद मे प्रेमी के पिता की मौत के मामले मे पुलिस ने मृतक के बेटे पवन कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर नामजद तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया है वही एक अभियुक्त पुलिस अभिरक्षा मे जिला अस्पताल मे भर्ती है जहां उसका इलाज चल रहा है ।

बिहार थाना क्षेत्र के बैजुआमऊ मे शनिवार की रात प्रेम प्रसंग को लेकर दो परिवारों मे विवाद हो गया । जिसमें आरोपी प्रेमी पवन कुमार के पिता पुत्तीलाल 50 की मौत हो गई । पवन कुमार ने पुलिस को दी तहरीर मे बताया कि शनिवार को शाम को गांव के ही राजकुमार अपनी लड़की मालती को किसी बात लेकर घर से निकाल दिया था । मालती मेरे घर चली आई तो मैने उसे अपने घर मे रख लिया ।इसी बात से नाराज होकर राजकुमार अपने बेटों फूलचंद , दीपक व रोशन ने एक राय होकर मेरे घर पर चढाई कर घुस आए व धारदार हंथियार से मेरे पिता व मेरी माँ के ऊपर वार कर दिया और हम लोगों को लाठी डंडो से मारापीटा । कुल्हाड़ी की वार करने से मेरे पिता की घटना स्थल पर ही मौत हो गई । मारपीट की घटना मे मीना पत्नी फूलचंद एवं सरला पत्नी दीपक भी शामिल रही । पुलिस ने तहरीर के आधार पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया था ।पुलिस ने अभियुक्त की निशान देही पर घटना मे प्रयुक्त फरसा बरामद किया है । इस सम्बन्ध मे थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि घटना के आरोपित राजकुमारमीना एवं सरला को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है ।

बैजुआमऊ गांव मे प्रेम प्रसंग को लेकर हुए विवाद मे यदि पाटन चौकी प्रभारी समय रहते मामले को संज्ञान में लेते तो यह बड़ी घटना टल सकती थी । मालूम हो कि यह गांव पहले से ही संवेदनशील गांव चौकी क्षेत्र मे गिना जाता है । जहां अक्सर घटनाए होती रहती है। प्रेमी के पिता की मौत के मामले मे यदि पुलिस शतर्क होती तो बड़ी घटना टल सकती थी । शनिवार को शाम को दोनो परिवारों के मध्य विवाद हुआ था । जिसमें डायल 112 पुलिस पहुंच कर मामले को समझा बुझा कर शान्त करवा दिया था । चौकी प्रभारी पाटन यदि मामले को समय रहते संज्ञान मे लेते तो बड़ी घटना टल सकती थी वहीं पुलिस ने बताया कि मृतक पुत्तीलाल के शव का पोस्टमार्टम के बाद बक्सर घाट मे अंतिम संस्कार कर दिया गया है ।

जर्जर खड़े विद्युत पोल दे रहे हादसे को दावत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के बहलोलपुर गांव में 11000 वोल्ट की बिजली लाइन के जर्जर खंभे बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। ये खंभे मुख्य मार्ग और एक मंदिर के पास स्थित हैं, जिससे ग्रामीणों में लगातार भय बना हुआ है ।ग्रामीणों के अनुसार, ये खंभे पूरी तरह से जर्जर हो चुके हैं और कभी भी गिर सकते हैं। स्थानीय लोगों ने बांगरमऊ पावर हाउस में इसकी शिकायत कई बार की है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है ।अरुण कश्यप, कन्हैया लाल और शंभू दयाल जैसे ग्रामीणों ने बताया कि खंभे इतने कमजोर हो गए हैं कि वे किसी भी वक्त ढह सकते हैं। पास में ही हनुमान मंदिर है, जहां बच्चे और बुजुर्ग अक्सर बैठते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है ।इसके अतिरिक्त, गांव में थोड़ी दूरी पर तेज हवा और बारिश के कारण एक अन्य बिजली का खंभा एक तरफ झुक गया है, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई है। ग्रामीणों को लगातार खंभा गिरने का डर सता रहा है ।इस संबंध में, जेई अशोक पाल ने बताया कि उन्हें प्रार्थना पत्र मिला है। उन्होंने आश्वासन दिया कि खंभे को जल्द से जल्द बदलवाने का प्रयास किया जा रहा है।

बे मौसम बारिश से किसानों को लगा बड़ा झटका

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव। परियर क्षेत्र में शनिवार को अचानक मौसम का मिजाज बदल गया।* सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। और दोपहर बाद हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चलने लगीं। मौसम में आए इस बदलाव से जहां आम जनजीवन प्रभावित हुआ, वहीं किसान खासे चिंतित नजर आए। इस समय गेहूं की फसल पककर तैयार खड़ी है। ऐसे में बारिश और तेज हवा के कारण फसल गिरने (लॉजिंग) का खतरा बढ़ गया है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ सकता है। किसानों का कहना है कि अगर मौसम इसी तरह बना रहा तो उनकी मेहनत पर पानी फिर सकता है।

स्थानीय किसानों ने बताया कि फसल कटाई का समय नजदीक है और ऐसे में बारिश नुकसानदायक साबित हो सकती है। वहीं कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बारिश ज्यादा देर तक नहीं होती है तो नुकसान सीमित रहेगा, लेकिन तेज हवा और लगातार नमी फसल की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है ।मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। ऐसे में किसानों को सतर्क रहने और जल्द से जल्द फसल की कटाई करने की सलाह दी जा रही है।

दो कारों की आमने सामने भिड़ंत दो महिलाओं समेत तीन घायल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। रघुरामपुर गांव के सामने किलोमीटर संख्या 237 पर गलत दिशा से आ रही एक कार ने सामने से आ रही दूसरी कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में दो महिलाओं सहित तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

दिल्ली से लखनऊ की ओर जा रही एक कार की टक्कर गलत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार से हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों कारों के एयरबैग खुल गए और वे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के बाद गलत दिशा से आ रही कार का चालक अपनी गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया।

घायलों की पहचान लखनऊ के मालरोड निवासी पंकज (58), उनकी पत्नी बेला (55) और साली निशि माकर (38) के रूप में हुई है। पंकज अपनी पत्नी और साली को दिल्ली के सराय बिहार स्थित उनके घर से लेकर लखनऊ लौट रहे थे। शुक्रवार को वे अपनी साली के घर गए थे ।टक्कर की आवाज सुनकर रघुरामपुर गांव के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। सूचना मिलने पर यूपीडा टीम और पुलिस बल भी घटनास्थल पर पहुंचा। कार में फंसे तीनों घायलों को रेस्क्यू कर बांगरमऊ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भिजवाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है ।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और फरार कार चालक की तलाश में जुट गई है।

शादी का झांसा देकर युवक ने नाबालिक का किया शोषण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा क्षेत्र के एक गांव निवासिनी नाबालिक लड़की ने थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि थाना छेत्र के गोकुलखेडा गांव निवासी मेरे मामा लाला लोधी का पुत्र रितिक मुझसे पिछले डेढ़ वर्षों से बात चीत कर रहा था और शादी का झांसा दे कर मेरे साथ सम्बन्ध भी बनाये , यही तक नही उसने मंदिर में शादी भी की जब मेरे घर वालो को पता चला तो मेरे घर वालो ने हमको मारा पीटा तथा घर से निकाल दिया ,पिछले दो दिनों से न रितिक फोन उठा रहा और नही मिल रहा है जब मैं उसके घर गई तो मेरे मामा लाला लोधी ने घर से बाहर कर दिया ।थाना अध्यछ फूल सिंह ने बताया कि प्रार्थना पत्र के आधार पर अभियोग पंजिकृत करते हुए रितिक की तलाश की जा रही है ।

पोर्टल के माध्यम से रखी जाएगी स्कूल के वाहनों पर नजर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिले में कुल 910 स्कूली वाहन पंजीकृत हैं, जिन पर अब इस पोर्टल के माध्यम से नजर रखी जाएगी। विभागीय जानकारी के मुताबिक, यह पोर्टल 1 अप्रैल से पूरी तरह सक्रिय कर दिया गया है। उन्नाव की एआरटीओ श्वेता वर्मा ने बताया कि अब तक जिले के 43 विद्यालयों द्वारा 127 स्कूल वाहनों का डेटा पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है। शेष विद्यालयों को जल्द से जल्द यह प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। एआरटीओ श्वेता वर्मा ने सभी स्कूल प्रबंधकों से अपील की है कि वे अपने संस्थान के व-ऊकरए कोड का उपयोग कर निर्धारित समय के भीतर सभी वाहनों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा के बाद नियमों का पालन न करने वाले स्कूलों और वाहनों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग का मानना है कि इस नई डिजिटल व्यवस्था से स्कूल वाहनों की पारदर्शी निगरानी संभव होगी और बच्चों की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। यह प्रणाली यह भी सुनिश्चित करेगी कि केवल फिट और सुरक्षा मानकों पर खरे उतरने वाले वाहन ही छात्रों को लाने-ले जाने का कार्य करें। कि जिले के स्कूल प्रबंधन कितनी तेजी से पोर्टल पर डाटा अपलोड कर नियमों का पालन करते हैं और बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने में कितना सहयोग देते हैं। सुबह मेगा ब्लॉक मिलने के बाद कार्य शुरू कर दिया गया। मौके पर एडीएन-2 जयपाल सिंह, सहायक मंडल अभियंता प्रवीण कुमार और एक्सईएन ब्रिज सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे और उन्होंने कार्य की लगातार निगरानी की। सबसे पहले पुराने ट्रैक की लोहे की प्लेटें हटाई गईं, फिर प्रेशर मशीन से धूल और जंग साफ की गई। इसके बाद लोहे की सतह पर प्राइमर लगाया गया, नई लोहे की प्लेटें स्थापित की गईं और रबर पैड के साथ नए एच-बीम चैनल स्लीपर फिट किए गए ।रेलवे अधिकारियों ने बताया कि बीते शनिवार को कुल 36 नए स्लीपर लगाए गए। शाम को अचानक बारिश शुरू होने के बावजूद कर्मियों ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए काम पूरा किया। कानपुर छोर की ओर रेलवे पुल की तीसरी कोठी तक का कार्य लगभग पूरा हो चुका है ।अब तक कुल 112 एच-बीम स्लीपर लगाए जा चुके हैं। शेष कार्य अगले 39 दिनों तक चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। रेलवे प्रशासन का कहना है कि कार्य पूरा होने के बाद पुल की संरचना पहले से अधिक मजबूत होगी। इससे ट्रेनों का संचालन सुरक्षित और सुचारु रूप से किया जा सकेगा।

ग्रामीण खुद साफ करते नाली सफाई कर्मी लापता

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। गंज मुरादाबाद ब्लॉक स्थित देवखरी गांव में कई महीनों से कोई सफाईकर्मी तैनात नहीं है। इसके चलते ग्रामीणों को अपनी नालियां खुद साफ करनी पड़ रही हैं। गांव में गंदगी के कारण बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। गांव की नालियां लंबे समय से साफ नहीं हुई हैं। हाल ही में हुई बारिश के कारण नालियों का कचरा सड़कों पर बिखर गया है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस गंदगी के कारण गांव में बीमारियां फैल रही हैं। अंशु यादव, राम जी यादव और राकेश राठौर जैसे ग्रामीणों ने पुष्टि की कि उनके यहां नाली साफ करने के लिए कोई कर्मचारी नहीं आता, और उन्हें स्वयं ही सफाई करनी पड़ती है। इस संबंध में जब ब्लॉक सचिव से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि ब्लॉक में सफाईकर्मियों की कमी के कारण गांव में सफाई नहीं हो पा रही है।

पति-पत्नी के 22 विवादित जोड़े आपसी कलह भुलाकर एक साथ रहने को हुए राजी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में रिजर्व पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केन्द्र एवं थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया, परिवार परामर्शदाताओं एवं महिला हेल्पडेस्क की टीम द्वारा उनकी काउंसलिंग करते हुए उनके बीच उपजे विवाद को खत्म कराया गया तथा परिवार को टूटने से बचाया। तदोपरान्त थाना अजगैन से 08, थाना बारासगवर से 04 परिवार परामर्श केन्द्र से 03, थाना बीघापुर से 03, थाना हसनगंज से 02, थाना आसीवन से 01, थाना बांगरमऊ से 01 को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। उपरोक्त पुनीत कार्य में प्रभारी परिवार परामर्श समिति डा0 आशीष श्रीवास्तव, डा0 एस.के. पाण्डेय, संजय चौरसिया, डा0 मनीष सिंह सेंगर, डा0 सगीर अहमद, डा0 अवसार अली, सहयोगी शिवेन्द्र सिंह चौहान तथा पुलिस टीम में प्र0नि0 महिला हेल्पडेस्क संतोष कुमारी सिंह, महिला उप निरीक्षक मिथिलेश वर्मा एवं महिला हेल्पडेस्क पुलिस टीम से महिला आरक्षीगण अंशू रानी, पूनम यादव, मीनू, आंचल, प्रियंका मिश्रा, राखी राघव, प्राची, ज्योती भारती, अल्का यादव का विशेष योगदान रहा।

किशोर को जहरीले कीड़े ने काटा हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

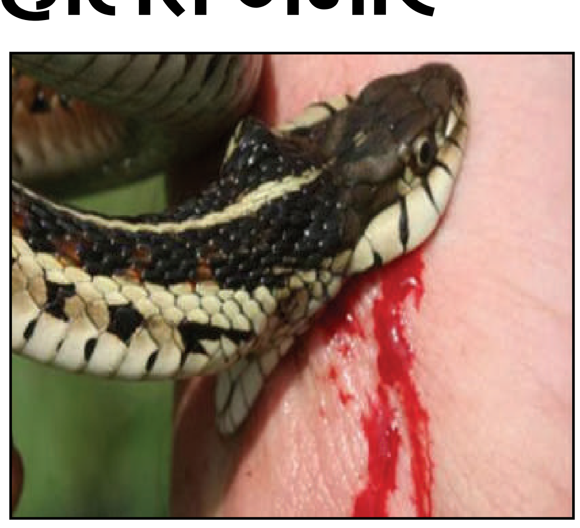

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के रसूलाबाद कस्बे में रविवार दोपहर एक किशोर को सांप ने काट लिया। घटना उस समय हुई जब किशोर घर के बाहर छप्पर के नीचे बंधे मवेशियों को देखने गया था। गंभीर हालत में उसे मियागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उसका उपचार कर रही है ।देसाई नगर मोहल्ला निवासी राजपाल का 16 वर्षीय पुत्र सचिन कुमार दोपहर करीब साढ़े बारह बजे अपने घर के बाहर दीवार पर रखे छप्पर के नीचे बंधे मवेशियों को देखने गया था। इसी दौरान उसने छप्पर में लगी बल्ली पर हाथ रख दिया। छप्पर में छिपे बैठे एक सांप ने उसे काट लिया ।सचिन की चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। उसके पिता राजपाल ने अन्य परिजनों की मदद से सचिन को बाइक से तुरंत मियागंज सीएचसी पहुंचाया। सीएचसी में डॉक्टर अभिषेक चक्रवर्ती और उनकी टीम ने सचिन का उपचार शुरू किया। डॉक्टर चक्रवर्ती ने बताया कि किशोर की हालत अभी स्थिर है। यदि उसकी हालत में सुधार नहीं होता है, तो उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया जाएगा।

प्रधान के बेटे समेत दो की कंटेनर टक्कर में मौत

शाहजहांपुर में बहन के घर बीमार रिश्तेदार को देखने जा रहे थे

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर , एक सड़क हादसे में ग्राम प्रधान के बेटे समेत दो लोगों की मौत हो गई। यह हादसा नगरिया मोड़ के पास हुआ, जब एक कंटेनर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान डींगुरपुर निवासी जसपाल सिंह और उनके रिश्तेदार पदम सिंह के रूप में हुई है। जसपाल सिंह (40), जो डींगुरपुर की ग्राम प्रधान सावित्री के बेटे थे, अपने 55 वर्षीय रिश्तेदार पदम सिंह के साथ तिलहर थाना क्षेत्र के खेड़ा बझेड़ा स्थित अपनी बहन के घर जा रहे थे। वे वहां बहन की बीमार सास को देखने जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, जैसे ही दोनों बाइक सवार नगरिया मोड़ के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे एक कंटेनर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी ।शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया टक्कर लगने से दोनों सड़क पर गिर गए और कंटेनर के पिछले पहियों के नीचे आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज भेज दिया। पुलिस ने कंटेनर और उसके चालक को भी हिरासत में ले लिया है। हादसे की जानकारी मिलते ही ददरौल विधानसभा से भाजपा विधायक अरविंद सिंह भी अस्पताल पहुंचे और अधिकारियों से जल्द पोस्टमार्टम कराने के लिए निर्देश दिए। मृतक जसपाल सिंह तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे और एक प्राइवेट शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। उनकी पत्नी शिक्षामित्र हैं और उनके दो बच्चे, बेटा सूर्या और बेटी रिया हैं। वहीं, पदम सिंह को भाजपा का बूथ अध्यक्ष बताया जा रहा है।

भगवान की तस्वीर के साथ रील बनाकर किया पोस्ट

हिंदूवादी संगठन ने युवकों से मंदिर में लगवाई उठक-बैठक, माफी मंगवाई

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर , दो युवकों द्वारा भगवान की तस्वीर के साथ रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है। वीडियो वायरल होने के बाद आक्रोशित हिंदूवादी संगठन के लोग गांव पहुंचे और युवकों को पकड़ लिया। उन्हें मंदिर ले जाकर उठक-बैठक लगवाई और माफी मंगवाई। इस घटना के कई वीडियो सामने आए हैं, जिस पर पुलिस मामले की जानकारी कर रही है। यह घटना निगोही थाना क्षेत्र के चौड़ेरा गांव की बताई जा रही है। बताया गया कि गांव के दो युवकों ने भगवान हनुमानजी की तस्वीर के साथ मजाकियां अंदाज में एक रील बनाई और उसे सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद हिंदूवादी संगठन के सदस्य चौड़ेरा गांव पहुंचे और युवकों की पहचान की। आक्रोशित लोग दोनों युवकों को हनुमान मंदिर ले गए। वहां उनसे अपनी गलती के लिए उठक-बैठक लगवाई गई और 'जय श्री राम' बोलने को कहा गया। युवकों ने उठक-बैठक लगाते हुए 'जय श्री राम' बोला। कुछ लोगों ने उन्हें पीटने का प्रयास किया, लेकिन अन्य लोगों ने हस्तक्षेप कर उन्हें बचा लिया। इस दौरान, आक्रोशित लोगों ने युवकों को धमकी भी दी और कुछ ने उन्हें समझाया कि क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय के लोग भी रहते हैं, लेकिन वे ऐसी हरकतें नहीं करते। युवकों ने माफी मांगी और भविष्य में ऐसी गलती न दोहराने का आश्वासन दिया। निगोही थाना प्रभारी ने बताया कि चौड़ेरा गांव उनके थाना क्षेत्र में आता है, लेकिन उन्हें इस घटना की कोई जानकारी नहीं है और न ही थाने में कोई शिकायत दर्ज कराई गई है। वहीं, एसपी सौरभ दीक्षित ने कहा कि वे प्रकरण की जानकारी कर रहे हैं।

सम्पादकीय

सुरक्षा के लिए चुनौती बने चीनी कैमरों पर सख्ती

देश की आंतरिक सुरक्षा में आज के समय में डिजिटल ढांचे की मजबूती बेहद जरूरी है। ऐसे समय में जब हर गली, चौराहे, सरकारी दफ्तर और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के भरोसे है, उन्हीं कैमरों के जरिए सुरक्षा में सेंध की आशंका गंभीर चिंता का विषय है। दिल्ली में लगे करीब 1.40 लाख चीनी सीसीटीवी कैमरों को हटाने का आदेश इसी खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। दरअसल, तकनीक अब दोधारी तलवार बन चुकी है। एक ओर यह सुरक्षा का मजबूत कवच प्रदान करती है, तो दूसरी ओर अगर यही तकनीक बाहरी नियंत्रण में हो तो यह देश के लिए जासूसी का सबसे खतरनाक हथियार बन सकती है। चीन की कंपनियों द्वारा निर्मित कैमरों को लेकर लंबे समय से यह आशंका जताई जाती रही है कि इनके जरिए डेटा लीक या बैकडोर एक्सेस संभव है। इनके जरिये डेटा पाकिस्तान तक भेजा जा रहा है। हाल ही में हरियाणा, दिल्ली, यूपी और आसपास के क्षेत्रों से जुड़े पाकिस्तानी जासूसी रैकेट का खुलासा इस खतरे की वास्तविकता को सामने लाता है। अगर देश के भीतर लगे निगरानी उपकरण ही दुश्मन के हाथों में सूचना पहुंचाने का जरिया बन जाएं, तो यह केवल तकनीकी चूक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा में गंभीर खामी मानी जाएगी। यह मामला केवल एक शहर या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि वैश्विक स्तर पर कई देशों ने पहले ही ऐसे उपकरणों पर प्रतिबंध या नियंत्रण लगा दिया है। अमेरिका, इजराइल जैसे देशों ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से विदेशी तकनीक के उपयोग में बेहद सतर्क नीति अपनाई है। भारत जैसे विशाल और संवेदनशील देश के लिए यह और भी जरूरी हो जाता है कि वह अपने डिजिटल संसाधनों को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाए। दिल्ली में पीडब्ल्यूडी द्वारा लगाए गए लाखों कैमरों में बड़ी संख्या एक ही चीनी कंपनी के होने का तथ्य यह भी दर्शाता है कि हमने लागत और सुविधा के नाम पर सुरक्षा से समझौता किया। सबसे बड़ा खतरा तथाकथित 'बैकडोर एक्सेस' का है। यदि किसी कंपनी के पास अपने उपकरणों पर दूर से नियंत्रण या डेटा तक पहुंच की क्षमता है तो वह किसी भी समय संवेदनशील जानकारी हासिल कर सकती है। यह खतरा केवल जासूसी तक सीमित नहीं, बल्कि साइबर हमलों और महत्वपूर्ण ढांचे को पंगु बनाने तक जा सकता है। ऐसे में सरकार द्वारा इन कैमरों को हटाने का निर्णय एक एहतियाती कदम ही नहीं, बल्कि अनिवार्य कार्रवाई है। जरूरी है कि इस फैसले को केवल राजनीतिक चश्मे से न देखा जाए। यह मुद्दा किसी एक पार्टी या सरकार का नहीं, बल्कि देश की सामूहिक सुरक्षा का है। पिछले वर्षों में तेजी से बढ़ते डिजिटलीकरण के साथ हमने विदेशी तकनीक पर जो निर्भरता बढ़ाई है, अब समय आ गया है कि उसकी समीक्षा की जाए। इससे स्पष्ट संदेश निकलता है कि सुरक्षा के मामले में आत्मनिर्भरता ही सबसे बड़ा समाधान है। 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे अभियानों को अब केवल नारे नहीं, बल्कि ठोस रणनीति के रूप में लागू करने की जरूरत है। सीसीटीवी कैमरे केवल निगरानी का साधन नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा की आंखें हैं। अगर इन आंखों पर किसी और का नियंत्रण होगा, तो खतरा केवल दिखाई देने वाला नहीं, बल्कि अदृश्य भी होगा। इसलिए चीनी कैमरों पर सख्ती केवल एक प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में उठाया गया एक जरूरी और समायोचित कदम है।

'भारत' में नक्सलमुक्त नया 'बस्तर' शाह के संकल्पों का परिणाम

विचार

ओपी चौधरी

बस्तर में शहादतों को सच्ची श्रद्धांजलि मिली 31 मार्च को। 31 मार्च 2026 का दिन बस्तर के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया। वह दिन जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित समय-सीमा पूरी हुई और बस्तर से नक्सलवाद का जड़ से खात्मा हो गया। बस्तर की धरती पर शहीदों की समाधियों पर फूल चढ़ाए गए, दीप जलाए गए और उनके बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि दी गई। वर्षों तक बंदूक की नोक पर जीने वाले बस्तर के आदिवासी परिवारों ने पहली बार बिना डर के सांस ली।

जंगलों में गूंजती गोलियों की आवाज की जगह अब विकास की ध्वनि सुनाई देगी। स्कूल की घंटियाँ, अंदरूनी सड़कों पर चलती यात्री बसें, साप्ताहिक हाट बाजार, दशकों तक नहीं बोए गए खेतों में किसानों की हलचल। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की यह श्रद्धांजलि केवल शब्दों में नहीं, बल्कि बस्तर की बदलती जिंदगी की तस्वीर में नजर आ रही है। इसके लिए ***छत्तीसगढ़ के पक्ष-विपक्ष दोनों को मिलकर अमित शाह जी का नागरिक अभिनंदन करना चाहिये।***

नक्सलवाद का बस्तर में चरमकाल चार दशक से अधिक चला। 1980 के दशक से लेकर 2025 तक यह क्षेत्र 'रेड कॉरिडोर' का सबसे घना हिस्सा बना रहा। दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर, कोंडागांव जैसे जिलों में नक्सलियों की 'समानांतर सरकार' चलती थी। बंदूक, क्रूरता और भय का माहौल था। सड़कें नहीं बनती थीं, स्कूल बंद रहते थे, अस्पतालों तक पहुंचना असंभव था। लेकिन 2014 के बाद, खासकर 2024 से शुरू हुए अभियान ने स्थिति को पलट दिया। 2011 में बतौर कलेक्टर दंतेवाड़ा मेरे लिए यह सोचना भी कठिन था कि इस नक्सलवाद खत्म हो जाएगा और इसे ऐसा होता हुआ देख सकूंगा! यह विचार भी कभी मेरे मन में आ भी नहीं सका था।

इस तरह की परिस्थितियां जो बस्तर में मेरी कलेक्टर दंतेवाड़ा के रूप में पोस्टिंग से पहले सुनी थी और जाने के बाद मैंने देखी वह ऐसी किसी कल्पना को साकार ही नहीं होने दे रही थी। दंतेवाड़ा में रहते हुए जब पहली बार किसी ऐसे बेल्ट में काम करने का मौका मिला जहां बहुत कुछ करने की संभावना साफ दिखाई दे रही थी जिसमें बंदूक और क्रूरता के सामने समूचा सिस्टम काम करने से पहले ही मन में को ही डराने लगता था। कोई ऐसा सप्ताह ऐसा नहीं जाता था,जब हमें नए शहीदों को श्रद्धांजलि नहीं देनी होती थी। हां, ऐसा ही कुछ दुर्भाग्यजनक था बस्तर का हाल! इस बस्तर में बीते चार दशक से ज्यादा समय में ना जानें कितनी मौतें जंगल में, सड़क में दर्ज हैं। मानों इसे अमिट स्याही से लिखा गया बस्तर का भविष्य दिखाई देता था।

जावंगा में एजुकेशन सिटी निर्माण के दौरान नक्सलियों का धमकी भरा पत्र मिलना इस तरह की योजनाओं को बंद करने की कोशिश ही थी। हम बस्तर के उस हिस्से में थे जहां 6 अप्रेल 2010 को ताड़मेटला में 76 जवान शहीद हो चुके थे,जो आजाद भारत में एक साथ शहादत की सबसे बड़ी घटना थी।इससे पहले सैकड़ों लैंडमाइन ब्लास्ट से सैकड़ों जाने जा चुकीं थीं। यहां दंतेवाड़ा अरनपुर तक सड़क निर्माण के लिए दो हजार से ज्यादा जवानों की तैनाती होती थी। ऐसे दर्जनों सड़कें थीं जिसमें ठेकेदार काम करने के लिए तैयार नहीं थे। कोई स्कूल बनाना नहीं चाहता था।

31 मार्च को मिली शहादतों को सच्ची श्रद्धांजलि, पक्ष-विपक्ष को शाह का करना चाहिए नागरिक अभिनंदन

ऐसे में 25 मई 2013 में झीरम हमलें में कांग्रेस के बड़े नेताओं की शहादत हो जाती है। और इसके बाद 9 अप्रैल 2019 में भाजपा के युवा विधायक भीमा मंडावी की मौत आईईडी ब्लास्ट से होने की खबर आती है। यानी पुराने बस्तर में कोई भी सुरक्षित नहीं था। जरा सोचिए बस्तर में लगातार घट रही इन घटनाओं का प्रभाव स्थानीय आदिवासियों के मन में कितना पड़ रहा होगा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हथियारबंद आतंक के खात्में के संकल्प को पूरा करने सशक्त नेतृत्व दिया और गृहमंत्री अमित शाह ने तारीख तय कर दी। उन्होंने अगस्त 2024 में समीक्षा के बाद स्पष्ट समय-सीमा तय की '31 मार्च 2026' तक देश को नक्सल मुक्त करना है। यह पहली बार हुआ जब तारीख बताकर उस दिशा में प्रयास शुरू किया गया। बस्तर को इस लक्ष्य का केंद्र बनाया गया। उनकी व्यूह-रचना तीन स्तंभों पर टिकी थी-सुरक्षा अभियान, विकास कार्य और पुनर्वास नीति। यह दृढ़ संकल्प ही था जिसने बस्तर को नई सुबह दी। अमित शाह की कार्ययोजना की सफलता का श्रेय सुरक्षा बलों, छत्तीसगढ़ पुलिस, डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड और स्थानीय आदिवासियों को जाता है।

2024 से मार्च 2026 तक के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। बस्तर रेंज में 706 नक्सली मारे गए, 2218 गिरफ्तार हुए और 4839 ने आत्मसमर्पण किया। अकेले 2025 में 256 नक्सली एनकाउंटर में ढेर हुए, 1500 से अधिक ने हथियार डाले और 884 गिरफ्तार हुए। 645 हथियार और 875 आईईडी बरामद किए गए। 52 नए सुरक्षा कैंप स्थापित हुए। इन अभियानों ने नक्सलियों के कमांड स्ट्रक्चर को चूर-चूर कर दिया। सीनियर लीडरशिप का सफाया हो गया। माओवादियों की 'सेंट्रल कमेटी' तक हिल गई।

लेकिन केवल गोली से नहीं, बल्कि दिल जीतने वाली नीति से यह संभव हुआ। अमित शाह ने बार-बार कहा—"नक्सलवाद की जड़ गरीबी नहीं, विचारधारा है।" इसलिए 'गोली का जवाब गोली से' के साथ-साथ 'सुरक्षा के साथ विकास' का फॉर्मूला अपनाया गया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में 'पुनर्वास नीति' को आकर्षक बनाया गया। आत्मसमर्पण करने वालों को रोजगार, मकान, जमीन और शिक्षा की गारंटी दी गई।

बस्तर में बदलाव इस समय की सबसे बड़ी सच्चाई है। कभी ना खत्म होने वाली हिंसक सोच अब पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। पर यह परिवर्तन रातोरात नहीं हुआ। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की व्यूह-रचना में फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (FOB) बनाए गए, खुफिया तंत्र मजबूत किया गया, ड्रोन और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाया गया। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण था स्थानीय समर्थन। बस्तर के आदिवासी अब नक्सलियों को 'बाहरी ताकत' मानते हैं, न कि रक्षक। उन्होंने खुद सुरक्षा बलों को सूचना दी, सहयोग किया। यह विश्वास का नया अध्याय है।शहीदों की श्रद्धांजलि का सबसे सच्चा रूप यही है।

बस्तर में पिछले चार दशकों में सैकड़ों जवान, पुलिसकर्मी, CRPF के COBRA कमांडो और आम नागरिक शहीद हुए। उनके परिवार आज गर्व से सिर ऊंचा कर सकते हैं। 31 मार्च 2026 को पूरे छत्तीसगढ़ में शहीद स्मारकों पर कार्यक्रम हुए। सही मायने में गृहमंत्री अमित शाह ने बस्तर की धरा में अब तक हुए सारे शहीदों को नमन करते श्रद्धांजलि अर्पित किया। वास्तव में यह 'विजय' शहीदों का उपहार है।

बस्तर अब 'नक्सल-मुक्त भारत' का प्रतीक है। अमित शाह की कार्ययोजना ने साबित कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और समन्वित प्रयास से कोई समस्या अजेय नहीं। बस्तर का यह नया अध्याय सिर्फ सुरक्षा का नहीं, बल्कि आर्थिक- सामाजिक क्रांति का भी है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर बस्तर को अगले पांच वर्षों में देश के सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनाने का लक्ष्य रख चुकी हैं। सड़क कनेक्टिविटी 100% हो रही है। बैंकिंग, इंटरनेट, कौशल विकास केंद्र खुल रहे हैं। आदिवासी युवाओं को सरकारी नौकरियों में आरक्षण और ट्रेनिंग मिल रही है।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बस्तर पंडुम को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमोट किया जा रहा है। बस्तर के किसान अब बिना डर के अपनी फसल बेच रहे हैं। महुआ, तेंदू पत्ता, बांस जैसे वन उत्पादों का बाजार बढ़ा है। एमएसएमई यूनिट्स लग रही हैं। महिलाएं स्व सहायता समूह के माध्यम से आय अर्जित कर रही हैं। बच्चे स्कूल जा रहे हैं। स्वास्थ्य शिविर नियमित हैं। टीकाकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं अब पहुंच रही हैं।

31 मार्च 2026 की तारीख केवल एक डेडलाइन नहीं थी। यह बस्तर के लाखों आदिवासियों के सपनों का सच था। बस्तर अब 'नक्सल-मुक्त' से आगे 'विकसित बस्तर' की ओर बढ़ रहा है। अमित शाह की दूरदर्शी योजना, सुरक्षा बलों की वीरता और स्थानीय लोगों का सहयोग—इन तीनों ने मिलकर इतिहास रचा। इस लेख को लिखते हुए बस्तर के उन पूर्व कलेक्टरों और अधिकारियों की याद आती है जिन्होंने दंतेवाड़ा जैसे क्षेत्रों में काम किया। उन्होंने देखा कि कैसे चुनौतियां थीं, लेकिन संभावनाएं भी। आज वे संतुष्ट होंगे कि उनका संघर्ष रंग लाया।

बस्तर की यह शांति और समृद्धि शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि है। 31 मार्च 2026 को पूरी हुई डेडलाइन ने साबित कर दिया कि जब इरादा पक्का हो, तो कोई बाधा अटल नहीं रहती। बस्तर अब नए 'भारत' का नया 'बस्तर' है। यहां बंदूकों की जगह विकास की आवाज गूंज रही है। आदिवासी संस्कृति फल-फूल रही है। युवा सपने देख रहे हैं। यह भारत की एकता और अखंडता की जीत है। अमित शाह के संकल्प ने न केवल नक्सलवाद खत्म किया, बल्कि बस्तर को मुख्यधारा में जोड़ दिया। बस्तर के शहीदों को बार-बार नमन। जय हिंद! जय बस्तर!!

पंच परिवर्तन

डॉ. मारकंडे आहूजा

पर्यावरणीय संरक्षण जरूरत नहीं, आध्यात्मिक कर्तव्य

आज पूरी दुनिया पर्यावरण संकट के दौर से गुजर रही है। जलवायु परिवर्तन, जंगलों की अंधाधुंध कटाई, नदियों का प्रदूषण और बढ़ता तापमान मानव सभ्यता के सामने गंभीर चुनौती बन चुके हैं। वैज्ञानिक समाधान आवश्यक हैं परन्तु केवल तकनीकी उपाय पर्याप्त नहीं हैं। जब तक मनुष्य की सोच और जीवनशैली प्रकृति के अनुरूप नहीं होगी, तब तक स्थायी समाधान संभव नहीं। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि माता के रूप में देखा गया है। यही कारण है कि यहां पृथ्वी, नदियों, पर्वतों और वृक्षों के प्रति श्रद्धा का भाव रहा है। इसी सांस्कृतिक दृष्टि को पुनर्जीवित करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने समाज जीवन में "पंच परिवर्तन" का आह्वान किया है जिनमें समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य और पर्यावरण संरक्षण शामिल हैं। इनमें पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान ही नहीं बल्कि जीवन की संस्कृति है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण प्रकृति को अपनी ही अभिव्यक्ति बताते हुए कहते हैं, " भूमिरापोऽनलो वायुः खं मनो बुद्धिरेव च। अहंकार इतीयं मे भिन्ना प्रकृतिरष्टधा॥" (गीता 7.4) अर्थात पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश, ये सभी मेरी प्रकृति के रूप हैं। यह श्लोक हमें बताता है कि प्रकृति के प्रत्येक तत्व में दिव्यता निहित है, इसलिए उनका संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक कर्तव्य भी है। गीता में प्रकृति के संतुलन का एक महत्वपूर्ण सूत्र यज्ञ की अवधारणा के माध्यम से दिया गया है, "अन्नाद् भवन्ति भूतानि पर्जन्याद् अन्नसम्भवः। यज्ञाद् भवति पर्जन्यो यज्ञः कर्मसमुद्भवः॥" (3.14) अर्थात सभी प्राणी अन्न से उत्पन्न होते हैं, अन्न वर्षा से पैदा होता है और वर्षा यज्ञ से होती है। यहां "यज्ञ" का अर्थ केवल अग्नि में आहुति देना नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित और कृतज्ञ जीवन जीना है। भारतीय परंपरा में प्रकृति के प्रति करुणा और संवेदनशीलता के अनेक प्रेरक प्रसंग मिलते हैं। संत एकनाथ की एक प्रसिद्ध कथा इसका सुंदर उदाहरण है। कहा जाता है कि वे काशी से कांवड़ में गंगाजल लेकर रामेश्वरम जा रहे थे ताकि भगवान शिव का अभिषेक कर सकें। मार्ग में उन्हें एक प्यासा गधा दिखाई दिया जो पानी के अभाव में तड़प रहा था। संत एकनाथ ने बिना क्षण भर सोचे अपनी कांवड़ का गंगाजल उसी गधे को पिला दिया। लोगों ने आश्चर्य से पूछा- "यह जल तो भगवान के अभिषेक के लिए था, आपने इसे एक पशु को क्यों दे दिया?" संत एकनाथ ने शांत स्वर में उत्तर दिया, "जिस भगवान के लिए मैं यह जल ले जा रहा था, वही तो इस प्यासे जीव में भी विराजमान हैं।" यह कथा हमें बताती है कि प्रकृति और जीव-जगत के प्रति करुणा ही सच्ची भक्ति है। इसी प्रकार श्रीकृष्ण और गोवर्धन पर्वत की कथा भी प्रकृति के सम्मान का संदेश देती है। ब्रज में लोग इन्द्र की पूजा करते थे, परंतु श्रीकृष्ण ने समझाया कि हमें उस प्रकृति का सम्मान करना चाहिए जो हमें प्रत्यक्ष जीवन देती है जैसे गो, पर्वत, वन और जल। कृष्ण के कहने पर ब्रजवासियों ने गोवर्धन पर्वत की पूजा की। इससे क्रोधित होकर इन्द्र ने भयंकर वर्षा कर दी, परंतु श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर पूरे ब्रज की रक्षा की। यह कथा बताती है कि प्रकृति का सम्मान ही सच्ची पूजा है। गीता भी हमें इसी समदृष्टि की शिक्षा देती है, "विद्या-विनय-सम्पन्ने ब्राह्मणे गवि हस्तिनि। शुनि चैव श्वपाके च पण्डिताः समदर्शिनः॥" (5.18) अर्थात् ज्ञानी व्यक्ति, ब्राह्मण, गाय, हाथी, कुत्ते और चांडाल सबमें एक ही आत्मा का दर्शन करता है। जब मनुष्य इस समदृष्टि को समझ लेता है, तब वह प्रकृति और जीव-जगत का शोषण नहीं करता, बल्कि संरक्षण करता है।

आज आवश्यकता है कि हम गीता के इस संदेश को केवल ग्रंथों तक सीमित न रखें, बल्कि अपने दैनिक जीवन में उतारें। जल बचाना, वृक्ष लगाना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना और प्रकृति के प्रति संवेदनशील होना, ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पंच परिवर्तन इसी दिशा में समाज को प्रेरित करता है कि प्रत्येक नागरिक प्रकृति के संरक्षण को अपना व्यक्तिगत कर्तव्य माने।

वैयक्तिक अहंकार से प्रगति रुक जाती है

संकलित

दर्शन

निरन्तर विकसित होते रहना यह जीवन धर्म है। प्रगति जीवन के अस्तित्व की सूचक है। जहां जीवन है वहां प्रगति है, विकास है। जड़ता में जीवन कहां ? मानव ही नहीं पशु पक्षियों में भी विकास की प्रक्रिया गतिमान रहती है। मानव की विकास प्रक्रिया में एक विशेषता है कि वह अपने विकास को सम्यक दिशा दे सकता है। अक्सर प्रत्येक व्यक्ति अपना श्रेष्ठ विकास ही चाहता है किन्तु फिर भी वह उसे पाने में असफल रहता है तो उसका सबसे बड़ा कारण होता है अहंकार। अहंकार व्यक्ति को सही दिशा में बढ़ने नहीं देता। मानव उस दिशा में दो कदम बढ़ा भी देता है तो उसका अहंकार आकर खड़ा हो जाता है। और वो आगे बढ़े हुए कदम वापस पीछे ले जाता है ।अर्हम को प्राप्त करने के लिये अहं का त्याग करना होगा। अर्हम परमात्मा का वाचक शब्द है। हम इसके उपासक हैं किन्तु अहम का त्याग किये बिना अर्हम की आराधना कैसे होगी ? आज अधिकांश व्यक्ति बहुत अधिक महत्वाकांक्षी हो गये हैं उन्हें अपनी पूछ और इज्जत चाहिये किन्तु वे औरों को इज्जत नहीं देना चाहते। यह अहंकार ही हमारी सारी विकास योजनाओं को असफल किये जा रहा है। हम ऊंचा लक्ष्य रख कर आगे बढ़ें, यह बुरा नहीं किन्तु अहंकार को छोड़े बिना उस लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो सकती।

-संकलन-कांतिलाल मांडोत

गुरु नानक जी के आशीर्वाद का रहस्य

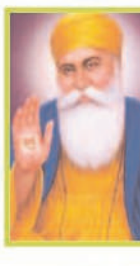

संकलित

प्रेरणा

एक बार गुरु नानक देव जी अपने शिष्यों के साथ एक ऐसे गांव में पहुंचे जहां के लोग साधु-संन्यासी लोगों को बिल्कुल भी पसंद नहीं करते थे। गुरु नानक जी वहां गए तो उनसे भी वहां के लोगों ने ऐसा ही व्यवहार किया। जब वो परेशान होकर उस गांव से जाने लगे तो गांव के लोगों ने कहा कि, महात्माजी कुछ आशीर्वाद तो देते जाइए। गुरु नानक थोड़ी देर तक हंसते रहे फिर बोले, खूब आबाद रहो। इसके बाद वो आगे बढ़ गए। इस बीच कुछ गांव के लोग भागते हुए वहां पहुंचे। सभी उनकी सेवा करने लगे। उन्होंने फिर से गुरुनानक जी से आशीर्वाद मांगा। तब उन्होंने कहाः सभी उजड़ जाओ। गुरु नानक के ऐसे अटपटे आशीर्वाद से परेशान होकर एक व्यक्ति ने उनसे पूछाः महात्मा जी! जिन लोगों ने अतिथि धर्म का तिरस्कार किया उन्हें आपने आबाद रहने का और जो लोग आपकी सेवा में आए उन्हें उजड़ने का आशीर्वाद क्यों दिया। गुरु नानक जी ने उस व्यक्ति से कहा किः सज्जन व्यक्ति जहां जाता है वो वहां अपनी अच्छाइयों को ले जाता है। यह दुर्जन से बेहतर होता है। इसलिए मैंने पहले जब वो दुर्जन थे तो उन्हें एक जगह आबाद रहने का आशीर्वाद दिया और जब वो सज्जन बन गए और मेरे पास आशीर्वाद लेने आए तो मैनें उन्हें उजड़ने यानी समाज में अच्छाई फैलाने का आशीर्वाद दिया।

अंतर्मन

आज की पाती

युद्ध से त्रासदीपूर्ण मानवीय जीवन

दुनिया में किसी भी देश के लिए चाहे वह सत्य के लिए लड़ रहा हो या असत्य के लिए लड़ रहा हो, युद्ध की विभीषिकाएं कभी भी किसी भी देश के मानवीय जीवन के लिए वरदान साबित नहीं हुई है। धर्म और अधर्म के नाम पर दुनिया को महाभारत काल में रक्तरंजित कर लाखों शूरवीरों को लीलने वाला कौरव-पांडवों का दिल दहला देने वाला दारुण युद्ध दुनिया के देशों के सामने सबसे बड़ा उदाहरण है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। आज एक बार फिर दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की कगार पर खड़ी है। दुनिया में रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से बिना नतीजे के अब तक जारी है और हाल ही में डेढ़ सप्ताह से ईरान-इजराइल और अमेरिकी युद्ध छिड़ जाने से एक बार फिर तीसरे महायुद्ध के बादल मंडराने लग गए हैं। युद्ध की विभीषिका से मध्यपूर्व के देशों की हालत बेहद खराब हो रही है।

- रविन्द्र उपाध्याय, धमतरी

करंट अफेयर

अमेरिका के नेब्रास्का राज्य ने दीपावली को मान्यता दी

अमेरिका के नेब्रास्का राज्य की विधायिका ने दीपावली उत्सव को मान्यता देने वाला एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसे सिएटल स्थित भारतीय मिशन ने राज्य के हिंदू समुदाय के लिए एक ' 'ऐतिहासिक' कदम बताया है। यह प्रस्ताव राज्य सीनेटर जॉन फ्रेडरिकसन द्वारा प्रायोजित किया गया था और 31 मार्च को स्पीकर जॉन आर्च ने इस पर हस्ताक्षर किए। सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने एक बयान में कहा कि इस प्रस्ताव को अपनाया जाना अमेरिका के मध्य पश्चिमी क्षेत्र में भारतीय प्रवासी समुदाय के लिए एक 'ऐतिहासिक' घटना है

ऑफ बीट

22 मिनट का व्यायाम करेगा स्वास्थ्य जोखिमों को कम

विकसित देशों में लोग प्रतिदिन औसतन नौ से दस घंटे बैठे रहते हैं। चाहे वह कंप्यूटर के सामने समय बिताना हो, ट्रैफिक में फंसना हो, या टीवी के सामने आराम करना हो, हमारा जीवन तेजी से गतिहीन हो गया है। यह चिंताजनक है क्योंकि लंबे समय तक बैठे रहने से मोटापा, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर सहित कई स्वास्थ्य समस्याएं जुड़ी होती हैं। ये स्वास्थ्य समस्याएं शीघ्र मृत्यु का कारण बन सकती हैं। एक नए अध्ययन से पता चला है कि 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए, दिन में केवल 22 मिनट व्यायाम करने से अत्यधिक गतिहीन जीवन शैली से समय से पहले मौत का खतरा कम हो सकता है।

ट्रेंड

स्व-गणना प्रपत्र

जनगणना के पहले चरण के अंतर्गत, शुरू हो रही 'हाउस लिस्टिंग' प्रक्रिया के तहत, मैंने स्व-गणना प्रपत्र भरा। यह प्रक्रिया भारत के विकास पथ को गति देने और यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी कि सरकारी योजनाएं प्रत्येक नागरिक तक प्रभावी ढंग से पहुंचें।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

भारतीयों की रक्षा

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच खाड़ी देशों में रह रहे भारतीयों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। हम अपने नागरिकों की रक्षा और सुरक्षा के लिए हर कदम उठाने में न केवल सक्षम है, बल्कि तैयार भी हैं। साथ ही, भारत किसी भी ऊर्जा संकट से निपटने में सक्षम है

- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

नवाचार समावेशी

जब नवाचार समावेशी होता है, तो उसके सबसे बड़े लाभार्थी उसके नेतृत्वकर्ता बनते हैं। भारत की महिलाएं इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। भारत में महिलाओं द्वारा दायर पेटेंट की संख्या सालाना 100 से बढ़कर 5,000 से अधिक हो चुकी है।

-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

ममता ही जीतेंगी

भाजपा बंगाल में चाहे कितने घपले कर ले पर वे वहां पक्का हारेगी। ममता दीदी की लोकप्रियता और जनसेवा के आगे भाजपाई सिर्फ बुरी हार से बचने का ही प्रबंध कर सकते हैं, और कुछ नहीं।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

संक्षेप

बिजली के तार से निकली चिंगारी, गेहूं की फसल राख

अमेठी में ग्रामीणों ने आग बुझाई, लेखपाल ने आर्थिक सहायता का आश्वासन दिलाया

अमेठी , शुकुल बाजार स्थित ग्राम सभा ब्यौरेमऊ में 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन से निकली चिंगारी से गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। यह घटना न्याय पंचायत बरसंडा क्षेत्र में हुई। ग्रामीणों की सूचना पर स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक डेढ़ से दो बीघा गेहूं की फसल जलकर नष्ट हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची। राजस्व विभाग के हल्का लेखपाल देवानंद ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और जले हुए गेहूं की फसल की पुष्टि की। उन्होंने पीड़ित किसान रामअवध दुबे को फसल के आकस्मिक नुकसान के लिए आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीण रामकुमार शुक्ल, राजकुमार शुक्ल, प्रदीप कुमार शुक्ल, अतुल कुमार शुक्ल, राम चंद्र तिवारी, शिवमोहन और मन्ना सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

सीएचसी में साइकिल चोरी करते युवक पकड़ा गया

अस्पताल परिसर में बढ़ रही थीं वारदातें, पुलिस कर रही जांच

अमेठी , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) परिसर में साइकिल चोरी की घटनाएं बढ़ गई हैं। शुक्रवार को एक युवक को साइकिल चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया, जिसे बाद में पुलिस को सौंप दिया गया। अस्पताल में मरीज दिखाने आने वाले तीमारदार अपने वाहन परिसर में खड़े करते हैं। चोर इसी का फायदा उठाकर मौका मिलते ही साइकिल या अन्य वाहन लेकर फरार होने की कोशिश करते हैं। हाल ही में, एक तीमारदार ने अपनी साइकिल खड़ी कर मरीज को डॉक्टर को दिखाया। इसी दौरान पास में खड़ा एक युवक साइकिल लेकर भागने लगा। अस्पताल परिसर में तैनात गार्ड ने उसे देखा और तत्परता दिखाते हुए मौके पर ही पकड़ लिया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने युवक को पकड़कर बैठा लिया और अमेठी कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को अपने साथ कोतवाली ले गई। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी पहले भी ऐसी घटनाओं में शामिल रहा है या नहीं। कोतवाली प्रभारी रवि सिंह ने बताया कि पकड़े गए युवक से पूछताछ की जा रही है। उसके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है और मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

हैंडपंप खराब, पेयजल संकट

ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द मरम्मत की मांग की, ग्राम प्रधान ने दिया आश्वासन

अमेठी , संग्रामपुर विकासखंड की जरौटा ग्राम पंचायत में इंडिया मार्का-2 हैंडपंप कई महीनों से खराब पड़ा है, जिससे ग्रामीणों और राहगीरों को भीषण गर्मी में पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है।

यह हैंडपंप मुख्य सड़क और प्राथमिक विद्यालय के पास स्थित है, जहां लोगों की आवाजाही अधिक रहती है।

मिशन शक्ति के तहत बहू बेटी सम्मेलन का हुआ आयोजन

महिलाओं को किया गया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। रविवार को मिशन शक्ति फेज 5.0 द्वितीय चरण के तहत मिशन शक्ति टीम थाना रूपईडीहा द्वारा हकीमगांव व हथमरवा में बहु बेटी सम्मेलन किया गया महिलाओं तथा बालिकाओं को उच्चाधिकारीगण द्वारा दिए गये आदेशो निर्देशों के क्रम में तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकरी योजनाओं के बारे में व बालिकाओं से उनकी समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए महिलाओं पर हो रहे अपराध के प्रति उन्हें जागरूक किया गया। महिला संबंधी घटित अपराध की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1090, 1098, 1076, 112, 181, 108 आदि व साइबर संबंधित अपराध के शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 की जानकारी दी गई। इस मौके पर उपनिरीक्षक सूर्यभान, धनंजय सिंह, महिला आरक्षी कनक सरोज आदि मौजूद रहीं।

मित्र राष्ट्र नेपाल के शहर नेपालगंज में स्मैक के साथ चार युवक गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल के शहर नेपालगंज में जिला पुलिस कार्यालय बांके और मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो, नेपालगंज शाखा की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए स्मैक के साथ चार युवकों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस कार्यालय बांके द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नेपालगंज उपमहानगर पालिका वार्ड संख्या-1 स्थित राष्ट्रीय वाणिज्य बैंक के पास चेकिंग के दौरान आरोपियों के कब्जे से 184 ग्राम 790 मिलीग्राम ब्राउन शुगर (स्मैक) बरामद किया गया है। नेपालगंज पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सोनू जोलाह, इरफान जोलाह व मन्ना जोलाह (निवासी जयसपुर, वार्ड संख्या-16) तथा सुमेर शेष (निवासी वार्ड संख्या-18, नेपालगंज) शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। बांके पुलिस के अनुसार, मामले में आगे की जांच जारी है।

सड़क दुर्घटना में अधेड़ जख्मी

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर, बहराइच। बीती रात फखरपुर थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय मार्ग बेदौरा के पास स्कूटी सवार को पीछे से आ रही मारुति वैन ने ठोकर मार दी जिसमे गम्भीर जख्मी हो गए। ग्राम बसंता निवासी धरनीधर मिश्रा 60 जो बेदौरा हनुमान मंदिर पर पुजारी का कार्य करते थे रात में मंदिर बंद कर घर वापस आ रहे थे कि अंधी से सड़क पर पेड़ गिर गया था जिसे देखकर रास्ता बदलने की फिराक में थे कि पीछे जरवल की तरफ से आ रही मारुति वैन ने ठोकर मार दी मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने एम्बुलेंस से अस्पताल पहुचाया एसओ संजीव चौहान ने बताया गाड़ी को कब्जे में ले लिया गया है तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

सिलेंडर फटने से गुमटी में लगी आग

घटनास्थल पर मची अफरा-तफरी, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , जायस नगर पालिका स्थित प्राइमरी स्कूल के सामने एक चाय की गुमटी में अचानक आग लग गई। इस दौरान गुमटी में रखा गैस सिलेंडर भी फट गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। गुमटी से धुआं उठता देख आसपास के लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। नगर पालिका के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने से लकड़ी से बनी गुमटी पूरी तरह जलकर राख हो गई और उसमें रखा सारा सामान भी नष्ट हो गया। आग लगने के कारणों का प्रारंभिक तौर पर पता नहीं चल सका है। वही एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि यह दुकान बन्ने खान की थी जिसमें अचानक आग लग गई। आग लगते ही दुकानदार यहां से भागे जिसके बाद पूरी दुकान कुछ ही सेकेंड में धू धू कर जलने लगी। दुकान में अंदर रखा एक सिलेंडर फटा और उसके अवशेष घटनास्थल से करीब 100 मीटर दूर जाकर गिरे। इस घटना में किसी को चोट नहीं आई है। दुकान के पीछे खाली जगह होने के कारण बड़ा हादसा टल गया।

विवाहिता ने दहेज उत्पीड़न का लगाया आरोप

पति, सास-ससुर समेत पांच पर जान से मारने की धमकी आदि का केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर , मोतिगरपुर थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने अपने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना में पति समेत पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कन्धावारे हासापुर निवासी सीमा (पुत्री राम सिंगार) ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी शादी 22 नवंबर 2020 को मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर लमौजी निवासी योगेन्द्र कुमार से हुई थी। सीमा का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति योगेन्द्र कुमार, ससुर जमुना प्रसाद, सास सुमित्रा, जेठ सुरेन्द्र कुमार और ननद सरिता कम दहेज को लेकर ताना मारने लगे। सीमा के अनुसार, ससुराल पक्ष के लोग उनके साथ मारपीट भी करते थे। प्रताड़ना बढ़ने पर उन्होंने पहले भी मोतिगरपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद 5 जून 2025 को दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया गया था और उन्हें ससुराल वापस भेजा गया था। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि समझौते के बाद भी उत्पीड़न का सिलसिला जारी रहा। ससुराल वाले उन्हें मायके वालों से फोन पर बात भी नहीं करने देते थे। तहरीर में यह भी कहा गया है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने सीमा को धमकी दी कि यदि वह ज्यादा जिद करेगी, तो उसे मारकर नहर में फेंक देंगे और उसकी लाश का भी पता नहीं चलेगा। सीमा का आरोप है कि उनके सारे जेवरात और कीमती कपड़े ससुराल वालों ने अपने कब्जे में रख लिए हैं। बीते 1 अप्रैल को पीड़िता के पिता उन्हें ससुराल से वापस घर लाए। इसके बाद उन्होंने न्याय के लिए पुलिस से गुहार लगाई। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

ऑनलाइन मंगाए जहर से युवती ने किया आत्महत्या का प्रयास

तबीयत बिगड़ी, परिजनों ने पहुंचाया अस्पताल, गंभीर हालत में रेफर

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर ,कादीपुर थाना क्षेत्र में एक युवती ने ऑनलाइन मंगाए गए जहर को खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। घटना के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। मुस्तफाबाद सरैया बाजार की रहने वाली लक्ष्मी (पिता जोगिंदर) ने जहर खा लिया। जैसे ही उसकी तबीयत बिगड़ी, परिवार वाले घबरा गए और उसे तुरंत सीएचसी दोस्तपुर ले गए।

डॉक्टर ने किया प्राथमिक इलाज, हालत गंभीर

सीएचसी दोस्तपुर में डॉक्टर हेमंत वर्मा ने युवती का प्राथमिक इलाज किया। लेकिन हालत गंभीर होने की वजह से उसे जिला अस्पताल अंबेडकर नगर रेफर कर दिया गया। डॉक्टर के मुताबिक, जहर खाने के कारण उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई थी। ऑनलाइन ऐप से मंगाया था जहरशुरूआती जानकारी में सामने आया है कि युवती ने यह जहर एक ऑनलाइन ऐप के जरिए मंगाया था। अब पुलिस यह जांच कर रही है कि ऐसे खतरनाक सामान ऑनलाइन कैसे मिल रहे हैं और यह युवती तक कैसे पहुंचा।

कारण साफ नहीं, जांच जारी

युवती ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह अभी सामने नहीं आई है।

गौरीगंज स्टेशन पर निर्माण कार्य का निरीक्षण

चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर का दिव्यांग की सुविधाओं पर फोकस, कहा- क्वालिटी का ध्यान रखें

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , अमृत भारत योजना के तहत गौरीगंज रेलवे स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अमृत भारत योजना के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर प्रवीण कुमार, डिप्टी चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर ऋषि यादव और डिप्टी चीफ इलेक्ट्रिक इंजीनियर बाबूराम शर्मा मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर प्रवीण कुमार ने स्टेशन परिसर के बाहर चल रहे कार्यों पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि स्टेशन के बाहरी हिस्से का काम 10 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाए। उन्होंने कार्य की गति और गुणवत्ता बनाए रखने पर भी जोर दिया। अधिकारियों ने दिव्यांग यात्रियों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर ने कहा कि स्टेशन पर ऐसे सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं, जिससे दिव्यांग यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने रैंप, बैठने की व्यवस्था और आवागमन की सुगमता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, स्टेशन परिसर की साफ-सफाई, यात्री प्रतीक्षालय और अन्य सुविधाओं की स्थिति का भी जायजा लिया गया। संबंधित कर्मचारियों को नियमित निगरानी बनाए रखने और सुधार कार्य जारी रखने के लिए कहा गया। इस निरीक्षण के दौरान स्टेशन अधीक्षक प्रवीण सिंह सहित रेलवे के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

बाबा साहब की प्रतिमा के सामने शराब ठेके का विरोध

अलीगढ़ के बन्नादेवी के कोठी लंकराम में महिलाओं ने किया प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ , नए वित्तीय वर्ष की शुरूआत के साथ ही थाना बन्नादेवी क्षेत्र के कोठी लंकराम मोहल्ले में तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। यहां डॉ. आंबेडकर पार्क के ठीक सामने शराब का नया ठेका खोले जाने पर स्थानीय महिलाओं ने मोर्चा खोल दिया है। देर शाम बड़ी संख्या में महिलाओं ने पार्क के बाहर एकत्रित होकर नारेबाजी और हंगामा किया।

धार्मिक और सामाजिक भावनाओं का हवाला

मोहल्ले की महिलाओं का कहना है कि प्रशासन नेसराय रहमान की पट्टी पर जिस जगह ठेके को अनुमति दी है, वह ठीक बाबा साहब की प्रतिमा के सामने है। महिलाओं का कहना है कि बस्ती के बीच और महापुरुष की प्रतिमा के पास ठेका खुलने से न केवल माहौल खराब होगा, बल्कि यह उनकी भावनाओं का अपमान भी है।

बसपा नेताओं और पुलिस ने संभाला मोर्चा

हंगामे की सूचना मिलते ही बसपा के मुख्य कोऑर्डिनेटर अर्जुन स्वामी, डॉ. आंबेडकर जन्मोत्सव समिति की अध्यक्ष मंजू भूषण और बसपा नेता मूलचंद गौतम मौके पर पहुंच गए। स्थिति को बिगड़ता देख इलाका पुलिस भी तैनात कर दी गई।

प्रतिमा के सामने शराब ठेका बर्दाश्त नहीं

बसपा नेता अर्जुन स्वामी ने कहा कि बाबा साहब ने हमेशा दलित बस्तियों में शराब का विरोध किया था। उनकी प्रतिमा के सामने ठेका खोलना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में लोगों को समझाया है कि शांति व्यवस्था बनाए रखें।

जिलाधिकारी को सौंपा जाएगा ज्ञापन

पुलिस और नेताओं के समझाने पर महिलाएं शांत हो गईं। बाद में निर्णय हुआ कि इस मामले को उच्चाधिकारियों के सामने रखा जाएगा। मोहल्ले की महिलाओं का एक प्रतिनिधिमंडल बसपा नेताओं के साथ जिलाधिकारी से मुलाकात करेगा। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि यदि ठेका यहां से नहीं हटाया गया तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगी।

ईस्टर पर मंत्री ने लिया भाग, लोगों को दी शुभकामनाएं

लोगों ने किया स्वागत, मंत्री बोले-ईसामसीह ने दुश्मनों से भी बदला नही लेने की बात कही थी

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, शाहजहांपुर में ईस्टर के अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना सेंट्रल मेथोडिस्ट चर्च पहुंचे। उन्होंने यहां आयोजित प्रार्थना सभा में हिस्सा लिया और प्रदेशवासियों को ईस्टर की शुभकामनाएं दीं। यह प्रार्थना सभा भोर फाउंडेशन द्वारा आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में वित्त मंत्री के साथ भोर फाउंडेशन की अध्यक्ष स्वाति सिंह भी मौजूद थीं। ईसाई समुदाय और स्वाति सिंह ने मंत्री खन्ना का गर्मजोशी से स्वागत किया।

विश्व शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना

प्रार्थना सभा में दुनिया में चल रहे युद्धों और संघर्षों को देखते हुए विश्व शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ईस्टर पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने जोर दिया कि आज ईसा मसीह के विचारों को दुनिया भर में फैलाने की आवश्यकता है, ताकि पूरी दुनिया में शांति बनी रहे।

सत्य, प्रेम और अहिंसा का संदेश

मंत्री खन्ना ने कहा कि ईसा मसीह ने प्रेम, करुणा, दया और क्षमा का संदेश दिया था, यहां तक कि दुश्मनों से भी बदला न लेने की बात कही थी। उन्होंने कहा, ₹सत्य, प्रेम और अहिंसा में अपार शक्ति है। यदि संपूर्ण विश्व इन सिद्धांतों को अपना ले, तो एक शांतिपूर्ण माहौल बन सकता है, जिसकी आज पूरी दुनिया को इच्छा है।

शॉर्ट सर्किट से 7 बीघा गेहूं की फसल जली

किसानों को लाखों का नुकसान, मुआवजे की मांग

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , कंधई थाना क्षेत्र के गोगलपुर गांव में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस घटना में किसानों की लगभग सात बीघा खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। आग खेतों के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन में हुए शॉर्ट सर्किट से लगी। चिंगारी सूखी गेहूं की फसल पर गिरी और तेज हवा के कारण आग तेजी से फैल गई। आग से अब्दुल खार, वाहिद अली, शाकिर, शाहिद और मोहम्मद शादिक की लगभग 5 बीघा गेहूं की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। शिव शंकर गुप्ता की भी करीब 2 बीघा गेहूं की फसल जल गई। कुल मिलाकर, सात बीघा फसल का भारी नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण और दमकल के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक किसानों को भारी नुकसान हो चुका था। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित किसानों को शीघ्र मुआवजा देने की मांग की है। फायर ब्रिगेड पट्टी के प्रभारी आदर्श कुमार ने बताया कि आग पर पूर्ण रूप से काबू पा लिया गया है। प्रथम दृष्टया आगजनी की घटना बिजली के तार में शॉर्ट सर्किट होने के कारण हुई है।

सर्राफ ने फांसी लगाकर दी जान

3 पन्नों का लिखा सुसाइड नोट, मरने से पहले पिता के गले लगकर फूट-फूटकर रोया; बोला-आज मेरा आखिरी दिन

अमन लेखनी समाचार

मृतक, पवन कुमार सोनी

प्रतापगढ़ , मानिकपुर थाना क्षेत्र में रात करीब 9 बजे युवक पवन कुमार सोनी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस को घचनास्थल से तीन पन्नों का सुसाइड नोट भी बरामद किया। सुसाइड नोट में युवक ने ससुराल पक्ष पर उनके वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार मोबाइल चार्जिंग को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था।

ससुराल पक्ष के हस्तक्षेप से परेशान था युवक

प्रतापगढ़ के मुंदीपुर गांव में पवन कुमार सोनी (23) अपने पिता राम कृपा सोनी, माता और पत्नी आस्था देवी के साथ रहता था। पवन कुमार सोनी पेशे से सर्राफ थे और जयसवाल मार्केट में अपनी दुकान चलाते थे। नवंबर 2025 में पवन कुमार सोनी की प्रयागराज के रामापुर सहसो की रहने वाली आस्था देवी से शादी हुई थी। पवन और उनकी पत्नी आस्था देवी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच हाथापाई भी हुई। इसके बाद आस्था अपने पिता के साथ मायके रामापुर सहसो (प्रयागराज) चली गई थी। परिजनों ने बताया कि पत्नी के जाने के बाद से ही पवन मानसिक तनाव में थे। पवन ने कई बार पत्नी से बात करने की कोशिश भी की, लेकिन बात नहीं हो पाई।

मरने से पहले पिता से कहा- आज आखिरी दिन है

रात करीब 8.30 बजे पवन ने अपने पिता से बात की। पवन के पिता राम कृपा सोनी उर्फ ननका ने बताया, बेटा अचानक उनके पास आया और गले लगकर रोने लगा। बोला-आज आखिरी दिन है और ऊपर छत वाले कमरे में चला गया।

संक्षेप

मवी कला में श्मशान भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप

लोगों ने किया प्रदर्शन, एडीएम ने जांच का आश्वासन दिया

बागपत , मवी कला गांव में श्मशान घाट की भूमि पर कथित अवैध कब्जे को लेकर विवाद गहरा गया है। वाल्मीकि समाज के लोगों ने इसे लेकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की लगभग 11 बीघा श्मशान भूमि पर कुछ दबंगों ने कब्जा कर लिया है। इस कारण अंतिम संस्कार जैसे धार्मिक कार्यों में उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाल्मीकि समाज के लोगों का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की है। हालांकि, अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे प्रशासन पर उनका भरोसा कम होता जा रहा है। समाज का तर्क है कि जब उनकी मूलभूत धार्मिक और सामाजिक जरूरतों की अनदेखी की जा रही है, तो उन्हें ऐसे कठोर कदम उठाने पड़ सकते हैं। इस पूरे मामले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें लोग अपनी पीड़ा और नाराजगी व्यक्त करते नजर आ रहे हैं। प्रदर्शन में सतीश बाल्मीकि, नीटू बाल्मीकी, आजाद बाल्मीकि, सुनील बाल्मीकि लोग मौजूद रहे। उधर, बागपत विधायक योगेश धामा से भी इस मामले में हस्तक्षेप कर कार्रवाई की मांग की गई है। बागपत एडीएम विनीत कुमार उपाध्याय ने मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पति ने पत्नी को प्रेमी संग होटल में पकड़ा

बागपत में हुआ हंगामा, प्रेमी मौके से फरार; पति ने दोनों को पीटा

बागपत , शहर कोतवाली क्षेत्र के एक होटल में एक महिला को उसके पति ने प्रेमी के साथ पकड़ लिया। इस दौरान पति ने प्रेमी और पत्नी के साथ मारपीट की, जिसके बाद मौके पर हंगामा हो गया। प्रेमी मौके से फरार हो गया। यह घटना दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर स्थित एक होटल में हुई। महिला अपने प्रेमी के साथ होटल पहुंची थी। तभी महिला का पति भी वहां पहुंच गया और उन्हें एक साथ देख लिया। इसके बाद पति ने प्रेमी और पत्नी दोनों से मारपीट की। पूरे मामले की जांच जारीहोटल में हुए हंगामे के बाद होटल संचालक ने पति-पत्नी और प्रेमी को बाहर निकाल दिया। बाहर आने के बाद भी उनके बीच विवाद जारी रहा, जिससे मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौजूद लोगों ने किसी तरह मामले को शांत कराया।सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। शहर कोतवाली प्रभारी बृजेश कुमार ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

महिलाओं से अभद्र व्यवहार करने वाला युवक गिरफ्तार

सत्यकाम स्कूल के पास से पकड़ा गया आरोपी

मेरठ , लोहियानगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर सार्वजनिक स्थान पर महिलाओं के साथ अश्लील टिप्पणी और आपत्तिजनक इशारे करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 2 अप्रैल 2026 को हुई। मिशन शक्ति टीम लोहियानगर क्षेत्र में गश्त कर रही थी, तभी सत्यकाम स्कूल के पास युवक महिलाओं से अभद्र व्यवहार करते हुए पकड़ा गया। टीम ने तत्काल उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया।

अमौली पहुंचे खंड विकास अधिकारी का हुआ अखंड राज्याभिषेक

क्षेत्रीय विधायक समेत जनप्रतिनिधियों ने वरदान को दिया वरदान

अमन लेखनी समाचार/समरजीत सोनकर

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड कस्बे के निवासी वरदान गुप्ता का यूपीएससी 2024 के परीक्षा परिणाम के पश्चात खंड विकास अधिकारी के पद पर चयन हुआ जानकारी मिलते ही समूचे कस्बे में खुशी की लहर दौड़ गई वहीं प्रक्रिया संपूर्ण करने के पश्चात कल वरदान गुप्ता अपनी जन्मभूमि अमौली विकासखंड पहुंचे जहां सूचना मिलने पर मेधा अलंकरण प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र सिंह पटेल एवं कुशल संचालन शिक्षक उमेश कुमार त्रिवेदी द्वारा किया गया स्थानीय पत्रकार आनंद गुप्ता द्वारा आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे चयनित युवा खंड विकास अधिकारी वरदान गुप्ता का क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र सिंह पटेल द्वारा माल्यार्पण प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुए भव्य स्वागत सम्मान किया गया वही कार्यक्रम में मौजूद प्रधान संघ के पूर्व अध्यक्ष अरविंद उमराव ग्राम प्रधान पति बिरनई श्रीकांत उत्तम आयोजक

आनंद गुप्ता बृजेंद्र तिवारी संतोष गुप्ता कौशल गुप्ता कमल गुप्ता जीवनलाल सत्येंद्र गुप्ता तथा लक्ष्मी वाच हाउस के संचालक लक्ष्मी गुप्ता अनिल कुमार ओमर समेत भारी संख्या में पहुंचे विशिष्ट अतिथियों ने भी माल्यार्पण कर युवा खंड विकास अधिकारी को हार्दिक शुभकामनाएं दी कार्यक्रम में मौजूद थाना प्रभारी चांदपुर विनोद पटेल चौकी प्रभारी दिग्विजय सिंह क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र सिंह पटेल समेत सभी विशिष्ट अतिथियों का आयोजक समिति ने माल्यार्पण कर आभार व्यक्त किया क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि वरदान गुप्ता की कड़ी मेहनत का प्रतिफल है जो कि आज पिता गोविंद शिवहरे तथा माता रेखा गुप्ता समेत सभी परिजनों व ग्राम वासियों का गौरव उच्च शिखर पर पहुंचा जिसके लिए क्षेत्रीय विधायक ने माता-पिता समेत बुजुर्गों को भी सम्मानित कर हार्दिक शुभकामनाएं दी इस मौके पर मुख्य रूप से शिक्षक अवधेश मिश्रा अशोक मिश्रा रामभक्त वर्मा मंडल अध्यक्ष देवेंद्र अवस्थी रणधीर सिंह मोहित सोनी महेंद्र दुबे महेश देव तिवारी शुभम ठाकरे रविंद्र तिवारी समेत भारी संख्या में ग्रामीण व क्षेत्रीय गणमान्य लोग मौजूद रहे आए हुए सभी अतिथियों का कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक पत्रकार आनंद गुप्ता ने सादर आभार व्यक्त किया

जनपद में स्कूल चलो अभियान का हुआ शुभारंभ

कलेक्ट सभागार में हुई शिक्षा विभाग समेत अधिकारियों की बैठक

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। सर्व शिक्षा अभियान सब पढ़े सब पढ़े मुहिम को आगे चलाते हुए बेसिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में स्कूल चलो अभियान प्रदेश के सभी जनपदों में चलाया जा रहा है इसी के तहत जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर गांधी सभागार अंतर्गत नवीन शिक्षासत्र को ध्यान में रखते हुए बैठक संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी रवींद्र सिंह तथा कुशल संचालन जनपद के अमौली विकासखंड शिक्षा क्षेत्र के परिषदीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुलखेड़ा के शिक्षक उमेश कुमार त्रिवेदी द्वारा की गई कार्यक्रम में मुख्य रूप से पहुंचे मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीणा बेसिक शिक्षा अधिकारी भारती त्रिपाठी तथा जहानाबाद विधानसभा के विधायक राजेंद्र सिंह पटेल समेत शासन प्रशासन के अधिकारी तथा जनप्रतिनिधियों ने अपना-अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया वहीं जनपद के उच्च अधिकारियों ने कलेक्ट्रेट सभागार से स्कूल चलो अभियान का भव्य शुभारंभ किया इस मौके पर जनपद के सभी विकासखंडों के शिक्षक तथा जनपद के अधिकारियों समेत गणमान्य लोगों ने सहभागिता निभाई

चोरों ने धावा मार कर जेवरात व नगदी किया पार

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर। जनपद के जहानाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव अलियापुर निवासी गोविंद पुत्र राजेंद्र प्रसाद के मकान में चोरों ने बीती रात धावा मारते हुए आभूषण समेत नगदी फरार कर दिया पीड़ित ने नजदीकी थाना जहानाबाद में लिखित तहरीर देते हुए बताया कि परिवार समेत पीड़ित अंदर सो रहा था वही अज्ञात चोर मकान की छत के रास्ते से अंदर घुसे और घटना को अंजाम दे दिया पीड़ित के साथ हुई घटना में चांदी की पायल चांदी की अंगूठी समेत 5000 रुपए नगद इत्यादि गायब हुए पीड़ित ने जानकारी देते हुए बताया कि जब वह प्रातः काल 4:00 बजे जगा तो घर का सामान इधर-उधर पड़ा हुआ था जैसे ही अंदर देखा तो चोरों की इस घटना से वाकिफ हुआ सूचना मिलने पर पहुंचे थाना प्रभारी जहानाबाद मनीष कुमार सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया वही जानकारी लेने पर थाना प्रभारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है और जल्द ही खुलासा करने का आश्वासन दिया।

ऑफिस से लौट रही युवती से छेड़छाड़

कार्रवाई न होने पर परिजनों ने चौकी पर किया हंगामा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , टीपीनगर थाना क्षेत्र की सरस्वती विहार कॉलोनी में एक युवती से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। ऑफिस से लौट रही युवती के साथ हुई इस घटना के बाद, पुलिस द्वारा कार्रवाई न करने के आरोप में परिजनों और स्थानीय लोगों ने सरस्वती विहार चौकी पर हंगामा किया। यह घटना रात की है जब युवती ऑटो से अपने घर लौट रही थी। कॉलोनी में ऑटो से उतरने के बाद जैसे ही वह घर की ओर बढ़ी, एक युवक ने उसका पीछा किया। आरोप है कि युवक ने युवती को पकड़कर जबरदस्ती करने की कोशिश की और उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। युवती के विरोध करने और शोर मचाने पर आरोपी मौके से भाग गया। यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में युवती को मदद के लिए चीखते हुए देखा जा सकता है। पीड़िता किसी तरह अपनी जान बचाकर घर पहुंची।

घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने टीपीनगर थाने में आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। परिजनों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद पुलिस ने न तो मामला दर्ज किया और न ही आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कोई कार्रवाई की। पुलिस की कथित निष्क्रियता से नाराज होकर पीड़िता के परिजन और स्थानीय लोग सरस्वती विहार चौकी पहुंचे। उन्होंने चौकी का घेराव कर हंगामा किया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। हंगामे की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। परिजनों ने बताया कि आरोपी गोला बढ़ क्षेत्र का निवासी है और पहले भी इलाके में संदिग्ध गतिविधियों में शामिल रहा है।

स्नान करते समय चार किशोर डूबे

अंतिम संस्कार में शामिल होने आए थे सभी किशोर, गोताखोरों को बुलाया गया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , हस्तिनापुर के मखदुमपुर घाट पर स्नान करते समय चार किशोर डूब गए। यह सभी किशोर लावड़ कस्बे के जलालपुर गांव के बताए जा रहे हैं, जो किसी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मखदुमपुर घाट पहुंचे थे। फिलहाल चारों की तलाश की जा रही है। गोताखोरों को लगाया गया है। एक नजर डालते हैं हादसे पर लावड़ कस्बे के जलालपुर गांव में किसी की मौत हो गई थी। परिजनों द्वारा मखदुमपुर घाट पर अंतिम संस्कार करने का निर्णय लिया गया। दोपहर में सभी अंतिम संस्कार की क्रिया के लिए मखदुमपुर घाट पहुंच गए। अंतिम संस्कार के बाद सभी स्नान करने लगे। इन्हीं में शामिल कुछ किशोर भी स्नान करने के लिए पानी में उतर गए। अचानक चार किशोर गहरे पानी की तरफ पहुंच गए और डूबने लगे।दोस्तो के शोर मचाने पर भीड़ जुटी जिस समय यह किशोर स्नान कर रहे थे, वहां काफी लोग मौजूद थे। एक किशोर को तो लोगों ने हाथ पकड़ कर खींच लिया, लेकिन उसके साथ मौजूद चार किशोर गहरे पानी में डूबते चले गए। इन किशोरों की पहचान 17 वर्षीय अभिषेक, हिमांशु, प्रियांशु के अलावा 15 वर्षीय दीपांशु के रूप में की गई है। चार किशोरी के डूबने पर वहां अफरा तफरी मच गई। घाट पर मौजूद पुलिस ने गोताखोरों को बुलाया है जो किशोरों की तलाश कर रहे हैं।

राजनगर सोसाइटी के फ्लैट में लगी आग

30 मिनट बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी, कर्मचारी आग पर काबू पाने में जुटे

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , राजनगर एक्सटेंशन स्थित क्लासिक रेजिडेंसी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग तीसरी मंजिल पर स्थित फ्लाइट में लगी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों आग बुझाने में जुटी हैं। आधा घंटे में पहुंची फायर ब्रिगेड राजनगर एक्सटेंशन स्थित क्लासिक रेजिडेंसी में एम ब्लॉक में तीसरी मंजिल पर मुकुल निगम का फ्लैट है। वह प्राइवेट सेक्टर में जॉब करते हैं। दोपहर में अचानक शार्ट सर्किट से फ्लैट में बाहरी तरफ आग लग गई। इस दौरान आग ऊपर की मंजिल पर प्लास्टिक की शेड तक भी जा पहुंची। समिति के अध्यक्ष विकास चौधरी और दूसरी रेजिडेंसी सोसायटी से दिव्यांशु मित्तल और अन्य लोग भी मौके पर पहुंचे। सोसायटी के अध्यक्ष विकास चौधरी का कहना है- आधा घंटे बाद फायर

ब्रिगेड की एक गाड़ी पहुंची, लेकिन टैंकर में पानी कम होने से प्रेशर कम था। इसके बाद दूसरी फायर गाड़ी को बुलाया गया। तब तक समिति के लोगों ने आग बुझाने के उपकरणों का प्रयोग करते हुए आग बुझाने का प्रयास किया। राजनगर में 45 से अधिक समिति उत्रहड राहुल पाल और फायर स्टेशन की टीम भी पहुंची। अभी तक की जांच में उत्रहड ने बताया है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। वहीं, समिति के लोगों का कहना है कि राजनगर एक्सटेंशन में 45 से अधिक समिति हैं और यहां से फायर स्टेशन की दूरी अधिक है। गर्मियों में आग की घटना अधिक होती है। जिससे दूसरे स्टेशनों से फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंचने में देर लगती है।

पत्नी ने सुपारी देकर कराई बीएसएफ जवान की हत्या

शादी के जेवर बेचकर शूटर को 6 लाख दिए; मेरठ में 14 साल पहले हुई शादी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , बीएसएफ के जवान की हत्या उसकी पत्नी ने सुपारी देकर कराई थी। इसमें उसके बॉयफ्रेंड ने साथ दिया था। बॉयफ्रेंड ने अपने 3 दोस्तों को 6 लाख रुपए में जवान की हत्या की सुपारी दी थी। ये रुपए पत्नी ने अपने जेवर बेचकर दिए थे। इसी पैसों से उसने तमंचा भी खरीदा था। बॉयफ्रेंड बीएसएफ जवान का मौसेरा भाई है। उसके और जवान की पत्नी के बीच अवैध संबंध थे। दोनों शादी करना चाहते थे। लेकिन, बीएसफ जवान इसका विरोध कर रहा था। इसके चलते पत्नी ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर जवान की हत्या की प्लानिंग की। 27 मार्च की देर रात बॉयफ्रेंड ने जवान की हत्या करा दी। पुलिस ने पत्नी कोमल और बॉयफ्रेंड गुलशन समेत 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा किया। इस दौरान कोमल बेहाश होकर जमीन पर गिर पड़ी। मामला इंचौली थाना क्षेत्र का है।

पहले एक नजर पूरे मामले पर

धनपुर गांव में रहने वाले गरीबदास का बेटा नैन सिंह (38) सीमा सुरक्षा बल (इरत्रह) में कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात था। 14 साल पहले 2012 में नैन सिंह की शादी कोमल के साथ हुई थी। उसकी पोस्टिंग पश्चिम बंगाल में थी। वह 6 मार्च को छुट्टी पर घर आया था। 2 अप्रैल को उसे ड्यूटी पर वापस जाना था। 27 मार्च को नैन सिंह की पत्नी कोमल अपने दोनों बच्चों रिमी (12), आयुष (7) के साथ फाजलपुर स्थित अपने मायके गई थी। मां विमला मेरठ में अपनी बेटी अंजू के घर थीं। पिता गरीबदास खेत पर गए थे। छोटा भाई प्रदीप मोदीनगर अपने काम पर था। रात में घर में प्रदीप की पत्नी पिंकी और नैन सिंह मौजूद थे। नैन सिंह अपने कमरे में सो रहा था। तभी एक अज्ञात युवक घर में घुसा और उसे गोली मार दी। इससे नैन सिंह की मौके पर ही मौत हो गई थी। पिता गरीबदास की शिकायत पर इंचोली थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। अब पढ़िए पुलिस ने जो कुछ बताया मौसेरे देवर से था जवान की पत्नी का अफेयर एसएसपी अविनाश पांडे ने बताया- घरवालों ने पहले पड़ोसी पर हत्या का शक जताया था, क्योंकि नैन सिंह के परिवार का उनसे जमीन को लेकर झगड़ा चल रहा था। पुलिस ने 4 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो पता चला कि वारदात के वक्त सभी अपने काम पर गए थे। इसके बाद पुलिस ने अन्य पहलुओं पर जांच शुरू की। एक एंगल पति-पत्नी के बीच मनमुटाव वाला भी था। छानबीन में पता चला था कि नैन सिंह अपनी पत्नी कोमल के साथ मारपीट करता था। वारदात के समय कोमल अपने मायके फाजलपुर में थी। पुलिस ने कोमल की कॉल डिटेल खंगाली, तो कई संदिग्ध नंबर सामने आए।

आठ नालों पर बनेंगे एसटीपी

5 के लिए किया जा रहा कंपनी का चयन, 18 महीने में काम होगा पूरा; 2 करोड़ प्रति प्लांट खर्च

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,नोएडा में नालों और नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने बड़ा कदम उठाते हुए आठ नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाने का निर्णय लिया है। जिसमें से पांच नालों पर एसटीपी प्लांट लगाने के लिए कंपनियों को आमंत्रित किया गया है। कंपनी का चयन होने के साथ एसटीपी प्लांट लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। यह फैसला नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के फरवरी 2020 के उस आदेश के बाद लिया गया है, जिसमें नालों में गिरने वाले सीवेज के उपचार को अनिवार्य बताया गया था। प्राधिकरण के अनुसार, इन एसटीपी के जरिए नालों में जाने वाले गंदे पानी को ट्रीट कर पुनः उपयोग में लाया जाएगा, जिससे यमुना नदी और हिंडन नदी में प्रदूषण कम होगा और भूजल संरक्षण में भी मदद मिलेगी। ये एसटीपी नालों में जहां से गंदगी गिरती है वहां लगाए जाएंगे। पहले फेज में इन नालों को चुना गयापहले चरण में मोरना, सेक्टर-34, 25, 91, 105, 108, एमिटी यूनिवर्सिटी के पास, हरौला और सेक्टर-62 के नालों पर एसटीपी स्थापित किए जाएंगे। जरूरत पड़ने पर आगे अन्य नालों को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा।

दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल पर बोझ होगा कम

बोड़ाकी में बनेगा 13 प्लेटफॉर्म वाला रेलवे स्टेशन, 137 एकड़ पर बनी सहमति, 70 ट्रेनों का होगा संचालन

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , बोड़ाकी में प्रस्तावित अंतराष्ट्रीय स्तर के रेलवे स्टेशन के निर्माण की राह अब साफ हो गई है। लंबे समय से जमीन अधिग्रहण को लेकर अटकी इस परियोजना में अब तेजी आएगी, क्योंकि किसान जमीन देने के लिए सहमत हो गए हैं। इस फैसले के बाद न सिर्फ नोएडा- ग्रेटर नोएडा को बड़ा रेलवे हब मिलेगा, बल्कि दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल पर बढ़ते दबाव को भी काफी हद तक कम किया जा सकेगा। रेलवे और प्राधिकरण इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भविष्य की जरूरतों के हिसाब से विकसित कर रहे हैं। योजना के तहत यहां 13 प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे और स्टेशन का कुल क्षेत्रफल करीब 267 एकड़ होगा। इसके लिए लगभग 137 एकड़ अतिरिक्त जमीन की जरूरत थी, जिस पर अब सहमति बन गई है।1800 परिवारों के पुनर्वास की तैयारीपरियोजना के तहत आने वाले करीब 1800 परिवारों के पुनर्वास की भी तैयारी पूरी कर ली गई है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रभावित किसानों को उनके वर्तमान आवास के

बराबर जमीन शिव नादर विश्वविद्यालय के पास दी जाएगी, जहां उन्हें बसाया जाएगा। इससे पुनर्वास को लेकर भी स्थिति स्पष्ट हो गई है और विरोध की संभावना कम हो गई है 70 से अधिक ट्रेनों का होगा संचालनबोड़ाकी स्टेशन का विस्तार इसलिए भी अहम है क्योंकि दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल पर ट्रेनों और यात्रियों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। नए स्टेशन के तैयार होने के बाद पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल की ओर जाने वाली 70 से अधिक ट्रेनों का संचालन यहां से किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय के पूर्व अधिकारी पर कुत्ते ने किया अटैक

नोएडा में 13 जगह काटा, पत्नी के साथ सोसाइटी में टहल रहे थे; शोर मचाने पर लोगों ने बचाया

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा ,आवारा कुत्ते ने रक्षा मंत्रालय के पूर्व अधिकारी पर अटैक कर दिया। कुत्ते ने उनके शरीर पर 13 जगहों पर काटा। पत्नी के शोर मचाने पर लोग इकट्ठा हुए और कुत्ते को किसी तरह भगाया जा सका। इलाज के लिए उन्हें ग्रेटर नोएडा के एक यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरी घटना जेवर थाना क्षेत्र के अजनारा पनोरमा सोसाइटी में हुई।यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र की अजनारा पनोरमा सोसाइटी में रहने वाले डॉ. दीर्घ नारायण 1977 बैच के सिविल सेवा अधिकारी रहे हैं। उन्होंने लगभग 27 वर्षों तक रक्षा मंत्रालय में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं।

डॉ. दीर्घ नारायण करीब 2 महीने से अपनी पत्नी के साथ अजनारा पनोरमा सोसाइटी में रह रहे हैं। डॉ. नारायण ने बताया- मैं अपनी पत्नी के साथ सोसाइटी परिसर में टहल रहा था। तभी अचानक एक आवारा कुत्ते ने मुझ पर हमला कर दिया। मैंने बचने की कोशिश की, लेकिन कुत्ता लगातार मुझे काटता रहा। मेरी पत्नी ने कुत्ते को भगाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं भागा। पत्नी के शोर मचाने पर लोग इकट्ठा हुए और कुत्ते को किसी तरह भगाया। गंभीर रूप से घायल डॉ. नारायण को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों और सोसाइटी निवासियों ने दनकौर पुलिस से शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है।

नगर पालिका में नामित सभासदों का शपथ समारोह

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री की गैरमौजूदगी ने खड़े किए सवाल

राजनीतिक गलियारों में चचाएं तेज, एसडीएम और ईओ ने नामित सभासदों को दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ,

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, हरदोई। नगर पालिका शाहाबाद में प्रदेश सरकार द्वारा नामित सभासदों के शपथ ग्रहण का कार्यक्रम पालिका परिसर में उनके बिना मुखिया के ही सम्पन्न हो गया।इस अहम राजनीतिक शपथ ग्रहण समारोह में एक बड़ी कमी ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया–वह था प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी का शपथ ग्रहण समारोह से नदारद रहना। उनके इस कार्यक्रम में शामिल न होने से स्थानीय राजनीति में तरह-तरह की चचाओं का बाजार गर्म हो गया है। कार्यकताओं और नामित सभासदों को अपनी नेता उच्च शिक्षा राज्यमंत्री ने तिवारी की मंच पर कमी खली।समर्थक अपने नेता का नगर पालिका परिसर में इंतजार करते रहे लेकिन बिना नेता के ही एसडीएम अंकित तिवारी और ईओ के के सोनकर द्वारा नामित सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।वहीं सभी नेताओं को उम्मीद थी कि इस खास मौके पर प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी आकर सरकार द्वारा नव नियुक्त सभासदों को बोर्ड के विकास का मंत्र देंगी।

क्या है न आने की वजह? कयासों का दौर जारी,

स्थानीय स्तर पर इस बात को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया है कि आखिर इतने अहम मौके पर मंत्री की अनुपस्थिति की वजह लोग तलाशने में जुट गए हैं।कुछ लोगों का मानना है कि लखनऊ में पूर्व निर्धारित बैठकों या सरकारी कामकाज की व्यस्तता के चलते वह यहां पर नहीं आ सकीं।

राजनीतिक समीकरणः वहीं, राजनीतिक विश्लेषक इसे स्थानीय स्तर पर चल रही किसी संभावित अंतर्कलह या राजनीतिक समीकरणों से भी जोड़कर देख रहे हैं।हालांकि आधिकारिक तौर पर मंत्री के प्रतिनिधि या कार्यालय की तरफ से उनके न आने का कोई ठोस कारण स्पष्ट नहीं किया गया है।

विपक्ष को मिला बैठे–बिठाए मौका,

शपथ ग्रहण जैसे मौके अक्सर पार्टी की एकजुटता और शक्ति प्रदर्शन का जरिया होते हैं। ऐसे में क्षेत्र की एक कद्दावर नेता और राज्य मंत्री का अपने ही क्षेत्र के अहम कार्यक्रम से दूरी बनाना विपक्ष को भी सवाल उठाने का मौका दे रहा है।इस मौके पर नगर टीम के अलावा जिला स्तर के कुछ नेता मौजूद रहे।

दबंगई का तांडवः दिनदहाड़े हमला

तहरीर के बाद भी नहीं थमा उत्पात, पुलिस मूकदर्शक

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई) नवीन मंडी गेट के पास रविवार को दिनदहाड़े करीब पांच दर्जन दबंगों ने फिल्मी अंदाज में चार दुकानों पर धावा बोल दिया। लाठी-डंडों सरिया से लैस हमलावरों ने दुकानों के अंदर रखा सामान सड़क पर फेंक दिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दहशत में दुकानदारों और राहगीरों ने इधर-उधर भागकर खुद को दुकानों के अंदर बंद कर लिया और शटर गिरा दिए।सूचना पर पुलिस सायरन बजाती हुई मौके पर पहुंची और हालात पर काबू पाने का दावा किया गया। हालांकि, पीड़ितों का आरोप है कि घटना के बाद कोतवाली में तहरीर देने के बावजूद दबंगों के हौसले कम नहीं हुए बल्कि पुलिस की मौजूदगी में ही उपद्रवियो के अगुआकार दोबारा मौके पर पहुंचे और दुकानदारों को धमकाते रहे। इतना ही नहीं, सड़क पर फेंका गया सामान दुकानदारों को काफी देर तक अंदर नहीं रखने दिया गया जिसमें घटनास्थल पर मौजूद पुलिस की मिलीभगत नजर आई।इस दौरान खुले में पड़ा कीमती सामान तेज बारिश होने के कारण भीग गया, जिससे भारी नुकसान हुआ। पीड़ित व्यापारियों के अनुसार, एक दुकानदार का बड़ी मात्रा में पशु आहार भी भीग गया, जिससे उसे गंभीर आर्थिक क्षति उठानी पड़ी। आरोप है कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान पुलिस मूकदर्शक बनी रही और कुछ देर बाद मौके से चली गई, जिससे व्यापारियों में रोष व्याप्त है। व्यापार मंडल के नेताओं ने दबंगों की गिरफ्तारी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। सूत्रों के मुताबिक, इस घटना में क्षेत्रीय स्तर के एक प्रभावशाली व्यक्ति और उसके करीबी लोगों की भूमिका को लेकर चचाएं तेज हैं, हालांकि आधिकारिक स्तर पर इसकी पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक भर्ती से लेकर खेल मद तक गंभीर अनियमितताओं के आरोप

अभ्यर्थियों में रोष—प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई): उत्तर प्रदेश के हरदोई जनपद में 29,000 शिक्षक भर्ती प्रक्रिया से जुड़े अभ्यर्थियों के साथ कथित अन्याय और प्रशासनिक उदासीनता का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। न्यायालय के आदेश के बाद चयनित अभ्यर्थियों को जहां प्रदेश के अन्य जिलों में विद्यालय आवंटित कर कार्यभार ग्रहण कराया जा चुका है, वहीं हरदोई में अब तक विद्यालय आवंटन न होने से अभ्यर्थियों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे प्रतिदिन बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय पहुंचकर विद्यालय आवंटन की मांग करते हैं, लेकिन उन्हें लगातार बहाने बनाकर टाल दिया जाता है।स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब आरोप यह सामने आते हैं कि नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कथित रूप से प्रति अभ्यर्थी 50,000 रुपये की अवैध मांग की जा रही है। यह आरोप यदि सत्य सिद्ध होते हैं तो यह शिक्षा विभाग की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करते हैं। इस पूरे प्रकरण में जिला प्रशासन की चुप्पी भी सवालों के घेरे में है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि उन्होंने कई बार अपनी समस्या अधिकारियों तक पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। मामला केवल शिक्षक भर्ती तक सीमित नहीं है। मार्च 2026 में आयोजित पीएम श्री विद्यालयों की खेल प्रतियोगिता में भी वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं।जानकारी के अनुसार, प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों के आवागमन हेतु प्रति छात्र 300 रुपये तथा पुरस्कार राशि की स्वीकृति दी गई थी, लेकिन इनका वितरण नहीं किया गया। आरोप है कि यह धनराशि भी गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही गबन का शिकार हो गई। इसके अतिरिक्त, टड़ियावां क्षेत्र के एक शिक्षक पर भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कथित वित्तीय गड़बड़ी करने और अधिकारियों से मिलीभगत के आरोप लगाए गए हैं। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि इन गतिविधियों के माध्यम से बड़े स्तर पर आर्थिक लेनदेन हुआ है। गौरतलब है कि मार्च के अंत में आयोजित ह्लस्कूल चलो अभियानह्व की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त करते हुए सुधार के सख्त निर्देश दिए थे। इसके बावजूद, हालात में कोई विशेष बदलाव न होना प्रशासनिक इच्छाशक्ति पर सवाल खड़े करता है। सूत्रों के अनुसार, संबंधित अधिकारी कथित रूप से राजनीतिक संरक्षण का हवाला देते हुए कार्रवाई से बेखौफ नजर आते हैं। यदि यह दावा सही है, तो यह न केवल प्रशासनिक व्यवस्था बल्कि सुशासन के दावों पर भी गंभीर चोट है। उत्तर प्रदेश सरकार जहां एक ओर ह्लजीरो टॉलरेंसह्व की नीति के तहत भ्रष्टाचार पर कठोर कार्रवाई की बात करती है, वहीं इस प्रकार के आरोप उस नीति की जमीनी हकीकत पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। अब समय आ गया है कि शासन-प्रशासन इस पूरे प्रकरण का संज्ञान लेकर निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करे। यदि आरोपों में सच्चाई पाई जाती है, तो दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई न केवल आवश्यक होगी, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाली के लिए भी अनिवार्य कदम साबित होगा।

खास समाचार

नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी, आरोपी का पैसा वापसी के लिए दिया चेक भी हुआ बाउंस,

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, हरदोई।नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी का एक प्रकरण प्रकाश में आया है।जिसमें एक युवक ने तीन लाख रुपये की ठगी किए जाने का आरोप थाना बेहटा गोकुल निवासी राहुल यादव पर लगाया है।आरोपी द्वारा पीड़ित को धनराशि वापस के लिए दिया गया चेक भी बैंक में बाउंस हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद गोंडा के ग्राम नौशहरा निवासी भारत कुमार गुप्ता जो वर्तमान में हरदोई में निजी कार्य कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं।आरोप है कि उन्हें वर्ष 2024 में नौकरी दिलाने का प्रलोभन देते हुए आरोपी राहुल यादव निवासी ग्राम टोडरपुर थाना बेहटा गोकुल जनपद हरदोई द्वारा उससे तीन लाख रुपये की मांग की गई।पीड़ित ने आरोपी पर विश्वास करते हुए एक लाख 31 हजार रुपये ऑनलाइन तथा शेष धनराशि नकद रूप में दी।काफी समय बीत जाने पर पीड़ित को कोई भी नौकरी उपलब्ध नहीं कराई गई, और न ही उसे धनराशि लौटाई गई। पीड़ित द्वारा अपनी धनराशि वापस मांगी गई, तो आरोपी द्वारा एक कथित नियुक्ति पत्र भेजकर उसे भ्रमित किया गया।तत्पश्चात आरोपी ने पीड़ित को धनराशि लौटाने हेतु एक चेक दिया।जो बैंक में प्रस्तुत करने पर पर्याप्त धनराशि राशि न होने के कारण अनादृत हो गया। पीड़ित का आरोप है कि पुनः धनराशि की मांग करने पर आरोपी द्वारा अपशब्द कहे गए तथा जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस संबंध में पीड़ित द्वारा थाना बेहटा गोकुल एवं पुलिस अधीक्षक को भी शिकायती पत्र दिया गया, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं हो सकी है। पीड़ित ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने तथा दी गई धनराशि वापस दिलाने की मांग की है।

धूमधाम से मनाई गई महर्षि कश्यप की जयंती

अमन लेखनी समाचार

माधौगंज, हरदोई, महर्षि कश्यप की जयंती को कश्यप समाज के लोगों ने धूमधाम से मनाया। मुख्य अतिथि ने एमएलसी इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह ने प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित किया। नगर के एक गेस्ट हाउस में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि यह भूमि महा ऋषियों, मनीषियों की भूमि है। सनातन परंपरा को मजबूत करने के लिए महापुरुषों की प्रतिमाओं व उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरपूर प्रयास किए हैं आज प्रदेश की पहचान सनातन परंपरा के अनुरूप आगे बढ़ रही है प्रदेश सरकार ने कश्यप, मल्लाह, निषाद समाज के लिए मत्स्य पालन से संबंधित तमाम योजनाएं संचालित की हैं जिससे उनका विकास हो सके नमामि गंगा योजना के अंतर्गत नदियों की सफाई व उसमें जहाज चलाकर उन्हें रोजगार से जोड़ने का कार्य किया गया है। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने महर्षि कश्यप के विचारों के बारे में अवगत कराया।आयोजन डीसीबी के डायरेक्टर रामू कश्यप ने सभी अतिथियों का स्वागत फूलमाला पहनाकर किया। मंच संचालन विमल पाठक ने किया। इस मौके पर देवेंद्र द्विवेदी, जगदीश कश्यप, महेश कश्यप, सुधीर कश्यप, चुन्नू लाल कश्यप, कैलाश गुप्ता, रामचन्द्र कश्यप राजू कश्यप, शिवकुमार कश्यप, बाबूलाल कश्यप मौजूद रहे।

घटना को लेकर उठे सवाल

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई) घटना को लेकर न केवल सवाल उठे हैं बल्कि व्यापारियों में पुलिस के प्रति आक्रोश पनप रहा है हालांकि सवाल यह कि तहरीर के बाद भी दबंग दोबारा मौके पर कैसे पहुंच गए? पुलिस की मौजूदगी में दुकानदारों को धमकाने की हिम्मत आखिर किसके संरक्षण में मिली? सड़क पर पड़ा सामान भीगता रहा और पुलिस मूकदर्शक क्यों बनी रही? क्या प्रभावशाली लोगों के दबाव में पुलिस निष्क्रिय रही ?आखिर कब तक व्यापारियों की सुरक्षा भगवान भरोसे रहेगी? यह घटना न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि पुलिस की कार्यशैली पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस पर मचा बवाल

अभिभावकों का फूटा गुस्सा— तहसील दिवस पर सौंपा गया ज्ञापन।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद में प्राइवेट स्कूलों द्वारा बढ़ाई जा रही मनमानी फीस और किताबों-ड्रेस के बढ़ते दामों को लेकर अभिभावकों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है। मंगलवार को आयोजित तहसील दिवस में बड़ी संख्या में पहुंचे अभिभावकों ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। अभिभावकों का आरोप है कि निजी स्कूल संचालक हर साल फीस में भारी बढ़ोतरी कर रहे हैं, जिससे मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही स्कूलों द्वारा तय दुकानों से ही किताबें, कॉपियां और ड्रेस खरीदने का दबाव बनाया जाता है, जहां सामान बाजार से कहीं अधिक दामों पर बेचा जा रहा है। इसे लेकर स्कूलों और दुकानदारों की मिलीभगत के आरोप भी लगाए गए हैं। तहसील दिवस पर समाजवादी पार्टी के नेताओं ने भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। सपा नेता प्रमोद यादव के नेतृत्व में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने, फीस नियंत्रण लागू करने और एनसीईआरटी की किताबों को अनिवार्य करने की मांग की गई। अभिभावकों ने कहा कि लगातार बढ़ रही महंगाई के बीच बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाना मुश्किल होता जा रहा है। खासकर महिलाओं ने इस समस्या को गंभीर बताते हुए कहा कि घर का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है और शिक्षा अब आम आदमी की पहुंच से दूर होती जा रही है। वहीं, प्रदर्शन कर रहे लोगों ने प्रशासन पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो समाजवादी पार्टी और अभिभावक मिलकर बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। फिलहाल प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है लेकिन अभिभावक अब ठोस कदम उठाए जाने का इंतजार कर रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा रात्रि भ्रमण कर कानून-व्यवस्था का लिया जायजा, संदिग्ध व्यक्तियों वाहनों की सघन चेकिंग

अमन लेखनी समाचार

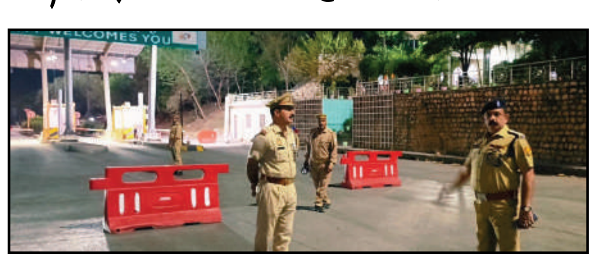

सोनभद्र। जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने एवं पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा रात्रि के समय विभिन्न थाना क्षेत्रों में भ्रमण कर रात्रि गश्त व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। रात्रि भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न स्थानों पर संचालित चेकिंग प्वाइंट्स, ड्यूटी में तैनात पुलिस बल की सतर्कता एवं सक्रियता का जायजा लिया गया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग कराई गई तथा पुलिस कर्मियों को सतर्क दृष्टि बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस बल को निर्देश दिए गए कि अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा एवं रात्रि गश्त को प्राथमिकता देते हुए संवेदनशील एवं प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करें। साथ ही आमजन से बेहतर समन्वय स्थापित कर उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाए। इसके अतिरिक्त यह भी निर्देशित किया गया कि किसी भी आपात स्थिति अथवा सूचना पर तत्काल एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे जनपद में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था कायम रहे। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार द्वारा व जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा अपने-अपने सर्किल क्षेत्रों में तथा समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में रात्रि चेकिंग अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन जांच की गई। जनपद सोनभद्र पुलिस द्वारा आमजन की सुरक्षा हेतु निरंतर सतर्कता एवं सक्रिय गश्त जारी है।

पूर्वांचल की जंग समाचार पत्र की 13वीं वर्षगाँठ पर भव्य कार्यक्रम हुआ आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। से प्रकाशित होने वाले लोकप्रिय समाचार पत्र पूर्वांचल की जंग की 13वीं वर्षगाँठ के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन रेणुकूट स्थित इंडियन कैफे हॉउस में किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारिता जगत से जुड़े अनेक गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर भारतीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के पदाधिकारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान और पत्रकारों के हितों की रक्षा में किए जा रहे कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेशचंद्र बुनकर रहे, जिन्होंने अपने संबोधन में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता समाज को सही दिशा देने का कार्य करती है। उन्होंने पूर्वांचल की जंग समाचार पत्र के सम्पादक मणिशंकर सिन्हा को 13 वर्षों की सफल यात्रा के लिए बधाई दी और आगे भी जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की अपील की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष रेणुकूट ममता सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष पिपरी दिग्विजय प्रताप सिंह, समाजसेविका प्रीति सिंह तथा भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष उमेश ओझा मंचासीन रहे। सभी अतिथियों ने समाचार पत्र की भूमिका की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र की आवाज बताया। अतिथियों ने अपने-अपने संबोधन में कहा कि स्थानीय पत्रकारिता ही आम जनता की समस्याओं को सही मंच प्रदान करती है और पूर्वांचल की जंग ने इस दिशा में सराहनीय कार्य किया है। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी हुईं, जिससे वातावरण उत्साहपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम के अंत में मंच संचालन कर रहे पत्रकार मस्तराम मिश्रा जी ने ह्लआयोजकों तथा सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पत्रकारों, समाजसेवियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम सफल और यादगार बना। इस कार्यक्रम में सम्पादक मणिशंकर सिन्हा, अनिल कुशवाहा, प्रमोद कुमार, ललन प्रसाद, अजय शर्मा, अनुज अग्रवाल, रामरक्षा गुप्ता, राकेश सोनी, डॉ अरुण गुप्ता, आशीष सिंह, आशीष श्रीवास्तव, दिनेश कुमार दुबे, दिनेश कुमार गुप्ता, अरुण कुमार पाण्डेय, गरिमा मिश्रा, अंकुर मिश्रा, पंकज शुक्ला, आशीष मिश्रा, मिथिलेश मिश्रा, पवन पाण्डेय सहित अनेकों पत्रकार शामिल रहे।

शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से किया जाये सुनिश्चित-जिलाधिकारी

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। शासन की मन्शा के अनुरूप जिले की चारों तहसीलों में अप्रैल महीने के प्रथम शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस दुद्धी में जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा शिकायतकताओं की शिकायतों को बड़े ही सरल भाव से सुना गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में ज्यादातर मामले जमीन सम्बन्धित प्राप्त हुए, जिसका शंका समाधान मौके पर ही तत्परता के साथ निस्तारण किया गया। जमीन सम्बन्धी मामले को स्थलीय स्थिति की जॉच करते हुए टीम द्वारा प्रकरणों का निस्तारण भी कराया गया। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निस्तारण किया जाये। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित अधिकारी अपने-अपने कार्यालयों में समय से उपस्थित होते हुए जनमानस के शिकायतों का निस्तारण समय से करना सुनिश्चित करेंगें। इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आई0जी0आर0एस0, सम्पूर्ण समाधान दिवस, थाना दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकताओं का फीडबैक लेते हुए शिकायतों का निस्तारण किया जाये, जिससे कि शिकायतकर्ता को किसी प्रकार की समस्या न हो और उनके प्रकरण का निस्तारण समय से किया जा सके, शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण न होने पर सम्बन्धित अधिकारी के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर अनुपस्थित पाये जाने पर जिलाधिकारी ने जिला सेवायोजन अधिकारी, आयुक्त स्वरोजगार, जिला उद्यान अधिकारी, जिला उद्योग अधिकारी, सी0डी0पी0ओ0 दुद्धी को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी दुद्धी ने 61 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 04 मामलें निस्तारित किये गये और 02 टीम को क्षेत्र में भेजकर 02 प्रकरण को निस्तारित किये गये। इस प्रकार तहसील दिवस दुद्धी में कुल 06 मामले निस्तारित हुए, बाकी 55 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी हेमेन्त कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 पंकज कुमार राय, परियोजना अधिकारी डूडा सुधांशु शेखर शर्मा, डी0सी0 मनरेगा रवीन्द्र वीर सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

02- सम्पूर्ण समाधान दिवस राबर्ट्सगंज में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्री उत्कर्ष द्विवेदी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील में आये शिकायतकताओं की शिकायतों का निस्तारण किया गया

आदिवासियों ने ओबरा तहसील के समक्ष किया प्रदर्शन

–शिकायती पत्र देकर वन विभाग व पुलिस पर परेशान करने का लगाया आरोप

–ओबरा तहसीलदार ने क्षेत्रीय वनाधिकारी व कोन इंस्पेक्टर को जांच कर आवश्यक कार्रवाई का दिया आदेश।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। ओबरा तहसील क्षेत्र के आदिवासियों ने शनिवार को गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश युवा अध्यक्ष एडवोकेट संतोष कुमार गौतम के नेतृत्व में ओबरा तहसील भवन के समक्ष प्रदर्शन किया। आदिवासियों ने शिकायती पत्र देकर वन विभाग और पुलिस पर परेशान करने का आरोप लगाया है। ओबरा तहसीलदार अंजनी गुप्ता ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए वन क्षेत्राधिकारी व कोन इंस्पेक्टर को आवश्यक कार्रवाई करने का आदेश दिया है। तहसील के समक्ष प्रदर्शन करने वाले बडेरा, हर्रा, निगाई, सलैयाडीह के आदिवासियों ने आरोप लगाया है कि वे अपने बाप-दादा के जमाने से घर बनाकर आबाद हैं और जमीन पर खेती बारी करते चले आ रहे हैं। बावजूद इसके वन विभाग और कोन पुलिस द्वारा आए दिन हैरान व परेशान किया जा रहा है। घर भी ढहा दिया गया है और फसल भी काटने नहीं दिया जा रहा है। आदिवासियों ने जमीन पट्टा कर खतौनी में नाम दर्ज कराए जाने की मांग भी की है। मामले को गम्भीरता से लेते हुए तहसीलदार ओबरा ने वन क्षेत्राधिकारी व कोन इंस्पेक्टर से नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का आदेश दिया है। प्रदर्शन करने वालों में नगेंदर, मुन्नी, राम दयाल, शिवकुमार, फुलदेवी, प्रभावती, उर्मिला, रामेश्वर, फुलबसिया, रमुनिया देवी, ललिता देवी आदि शामिल रही।

जिलाधिकारी ने वृहद गौ संरक्षण केन्द्र चोपन का किये औचक निरीक्षण

पशुओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सभी आवश्यक संसाधनों का समुचित की जाये व्यवस्था–जिलाधिकारी।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने आज चोपन स्थित वृहद गौ संरक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण किये निरीक्षण के दौरान उन्होंने वृहद गौ संरक्षण केंद्र में व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किये तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि गौशाला में संरक्षित पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में चारा, भूसा और स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि पशुओं को समय-समय पर निर्धारित मात्रा में संतुलित आहार उपलब्ध कराया जाए, जिससे उनके स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण तथा शेड की स्थिति का जायजा लिये जिलाधिकारी ने कहा कि गौ संरक्षण केंद्र सरकार की अत्यंत प्राथमिकता वाली योजना है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने और व्यवस्थाओं की सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

तेज रफ्तार जीवनशैली में हेल्थ को न करें इग्नोर

विशेष: विश्व स्वास्थ्य दिवस, 7 अप्रैल

आज के दौर में हम सभी की जीवनशैली बहुत व्यस्त और तेज रफ्तार हो गई है। ऐसे में हम अकसर अपनी हेल्थ को इग्नोर करने लगते हैं। इससे हम हेल्दी लाइफ नहीं जी पाते हैं। अपनी हेल्थ के प्रति सभी को अवेयर करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष वर्ल्ड हेल्थ-डे मनाया जाता है। इस दिन की क्या महत्ता है, इसकी शुरुआत कैसे हुई और इसे कैसे मना सकते हैं? आपको जानना चाहिए।

कवर स्टोरी / रेखा देशराज

हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व स्वास्थ्य दिवस महज एक औपचारिक दिन भर नहीं है बल्कि यह दुनिया को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का एक वैश्विक अभियान है। साल 2026 की नजर से देखें तो यह दिन पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल, आज तेज रफ्तार दुनिया ऐसी-ऐसी स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझ रही है, जिन्हें अब से पहले कभी नहीं जाना या देखा गया था। एक तरफ बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां, दूसरी तरफ हर दिन विकराल होता जलवायु परिवर्तन, इन दोनों के मेल से लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियों में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। इसलिए साल 2026 हाल के दूसरे स्वास्थ्य दिवसों के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

बढ़ता मानसिक-सामाजिक असंतुलन: वर्तमान में स्वास्थ्य का लक्ष्य सिर्फ देखे जाने वाली बाह्य शारीरिक बीमारियों से बचना ही नहीं है बल्कि मानसिक और सामाजिक संतुलन भी बढ़ाना है। आज अपना देश डायबिटीज और हाइपरटेंशन की वैश्विक राजधानी बनता जा रहा है और अमेरिका के बाद अब दूसरा नंबर मोटापे का शिकार भी भारत हो चुका है। ये बीमारियां आज से दो दशक पहले हमारे हेल्थ एजेंडे में कहीं नहीं थीं, पर आज सारा स्वास्थ्य फोकस, ये लाइफस्टाइल बीमारियों ही खींच रही हैं। बड़ी बात यह है कि अपने देश में जहां पहले बड़े-बूढ़े तक मानसिक स्वास्थ्य के बहुत कम शिकार होते थे, वहीं अब बड़े पैमाने पर युवा भी मानसिक रोगी हो रहे हैं। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन के कारण हीट स्ट्रोक, एलर्जी और संक्रामक रोगों की जो भयावहता आई है, उसमें भी भारत सबसे अगली कतार के पीड़ित देशों में है। ऐसे में हमें यह विशेष दिन याद दिलाता है कि स्वास्थ्य केवल डॉक्टरों या अस्पतालों का विषय भर नहीं है बल्कि इसका रिश्ता समाज के हर व्यक्ति, समाज की सभी संस्थाओं और सरकार से भी है। इसलिए अब स्वास्थ्य को अतिरिक्त फोकस के साथ देखे जाने की जरूरत है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुरुआत: विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 7 अप्रैल 1948 को इस विशेष दिन की शुरुआत हुई थी, क्योंकि इसी दिन इस वैश्विक संगठन की भी स्थापना हुई थी। इसी कारण साल 1950 से हर साल पूरी दुनिया में यह दिन मनाया जाता है, जिसका प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, विभिन्न देशों के बीच स्वास्थ्य संबंधी सहयोग बढ़ाना तथा नई स्वास्थ्य चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना है। इस सबके अलावा मौजूदा वैश्विक स्वास्थ्य संकटों को भी इस दिन के साथ जोड़कर देखा जाता है, जिससे उनसे लड़ने की बेहतर रणनीति तैयार की जा सके। जहां तक अपने देश में स्वास्थ्य दिवस के महत्व की बात है, तो हमारे यहां दुनिया के अन्य देशों से इसका महत्व इसलिए ज्यादा है, क्योंकि हमारे यहां अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं ही चुनौती बनी हुई हैं। आज भी अपने देश में डॉक्टर और रोगी अनुपात बेहद असंतुलित है। रोगियों की बहुत बड़ी तादाद में डॉक्टरों की बेहद कमी है। भारत में एक तो जनसंख्या के अनुपात को देखते हुए डॉक्टरों की संख्या बहुत कम है और जो हैं, उनमें से 90 प्रतिशत से ज्यादा डॉक्टर शहरों में केंद्रित हैं। छोटे शहरों और कस्बों में ही बड़े शहरों के मुकाबले डॉक्टर बहुत कम हैं। इसलिए डॉक्टर-रोगी अनुपात को संतुलित करने के लिए लोगों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए और जीवनशैली संबंधी बीमारियों को बताने के लिए इस दिन लोगों को विशेष तौर पर शिक्षित, प्रशिक्षित किए जाने के अलावा उन्हें इसके लिए मोटिवेट भी किया जाता है।

इस साल हेल्थ-डे की थीम: विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक साल 2026 के लिए हेल्थ-डे की थीम है- टुगेदर फॉर हेल्थ, स्टैंड विद साइंस यानी, स्वास्थ्य के लिए हम साथ हैं और विज्ञान का समर्थन करें। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 के लिए यही विश्व स्वास्थ्य संगठन की आधिकारिक थीम है। इसका निहितार्थ यही है कि हम न केवल अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी सभी प्रयास करें, अपने घर-परिवार के अन्य सदस्यों, विशेष तौर पर बुजुर्गों और बच्चों की हेल्थ का भी पूरा ध्यान रखें। कोई समस्या होने पर डॉक्टर से कंसल्टेशन में देरी न करें। फिजिकल एक्टिविटीज को अपने रूटीन का जरूरी हिस्सा बनाएं। अगर हम या हमारी फैमिली का कोई सदस्य स्ट्रेस या डिप्रेस्ड फील कर रहा है तो उसे मेडिकल कंसल्टेशन में देरी न करें। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अच्छी जीवनशैली से बीमार होने की आशंका बहुत कम हो जाती है। और अगर बीमार हो भी जाएं तो समय रहते हेल्थ प्रॉब्लम को पहचानने से उसका ट्रीटमेंट आसान है।

ऐसे सेलिब्रेट करते हैं यह दिन: वर्ल्ड हेल्थ-डे को लेकर महत्वपूर्ण बात यह है कि हर साल आने वाले विश्व स्वास्थ्य दिवस का जश्न कैसे मनाएं, जिससे दुनिया के ज्यादा से ज्यादा लोग स्वास्थ्य संबंधी सजगता के दायरे में आएं। आमतौर पर इस दिन को तीन तरह से मनाया जाता है, सरकारी संस्थानों के जरिए, विभिन्न संस्थाओं के जरिए और आम लोगों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर। इस दिन आमतौर पर सभी स्कूल, कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थानों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए सेमिनार, रैलियां और हेल्थ कैंप आदि के आयोजन किए जाते हैं।

इस दिन तमाम अस्पताल और निजी क्लीनिक मरीजों को फ्री चेकअप की सुविधाएं देते हैं। कई बार इसके लिए कैंप्स लगाए जाते हैं। आमतौर पर मुफ्त स्वास्थ्य संबंधी जांच शिविरों में लोगों की ब्लड प्रेशर, बीएमआई और शुगर संबंधी समस्याओं की जांच होती है। वर्ल्ड हेल्थ-डे को सोशल मीडिया में हैश टैग के साथ सेलिब्रेट किया जाता है, जहां लोग आपस में हेल्थ टिप्स, अनुभव और जागरूकता संदेश साझा करते हैं। इस दिन विभिन्न प्रकार की फिटनेस गतिविधियां भी संपन्न होती हैं। योग, मैराथन, साइकिलिंग जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। कई देशों में इस दिन नई स्वास्थ्य योजनाओं या सुधारों की घोषणा होती है और पिछली योजनाओं, नीतियों का इस दिन आकलन भी किया जाता है। *

स्वस्थ जीवन के सात सरल सूत्र

इस हेल्थ-डे पर यहां बताए जा रहे सात सरल सूत्रों को अगर अपनाने का संकल्प कर लें तो आपका तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेगा।

- प्रतिदिन सात से आठ घंटे की नींद को प्राथमिकता दें।
- प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योगाभ्यास या एक्सरसाइज करें।
- अपने स्क्रीन टाइम को सीमित करें, क्योंकि इससे डिजिटल थकान बढ़ती है। इस समय दुनिया की यह सबसे बड़ी समस्या है और इसका असर आंखों और दिमाग दोनों पर पड़ता है।
- संतुलित आहार का सेवन करें। जंक फूड का कम से कम सेवन करें। अपने आहार में सभी जरूरी पोषक तत्वों को शामिल करें।
- अपने मानसिक स्वास्थ्य पर भी पूरा ध्यान दें। इसके लिए मेडिटेशन करें। लोगों के साथ अलग-अलग विषयों पर बातें करें। हंसी-मजाक करें और अपनी रुचि के साथ काम करें।
- बीमारी का इंतजार न करके हर छह महीने बाद अपनी स्वास्थ्य संबंधी जांच कराएं। इससे पता चलता है कि हम किस स्थिति में हैं।
- अपने आस-पास की स्वच्छ हवा, पानी और वातावरण के प्रति जिम्मेदार बनें। इसके लिए जरूरी प्रयास भी करें।

पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम ये दो आदतें आज सिर्फ हमारे स्वास्थ्य से ही नाता नहीं रखतीं बल्कि करियर को ऊंचाई देने वाले सबसे प्रभावी लाइफस्टाइल टूल भी बन गए हैं। ये क्यों इतने इंपॉर्टेंट बन गए हैं, इसके पीछे कौन से साइंटिफिक कारण हैं, बता रहे हैं डिटेल में।

हैप्पी-सक्सेसफुल लाइफ के टूल्स अच्छी नींद-रेग्युलर एक्सरसाइज

लाइफस्टाइल / नरेंद्र कुमार

अपने करियर को ऊंचाई देने वाले, लाइफ को हैप्पी बनाने के लिए प्रभावी टूल के रूप में जहां अभी तक हमारी न्यू टेक स्किल को जरूरी माना जाता था, वहीं आज इसमें हमारी सेहत भी महत्वपूर्ण हो गई है और अच्छी सेहत बिना पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम के संभव नहीं है। इसीलिए आज हैप्पी लाइफ के साथ करियर में सफलता के लिए भी व्यायाम और पर्याप्त नींद को लाइफस्टाइल टूल की तरह देखा जा रहा है। अगर ये दोनों चीजें सही हैं, तभी हम बेहतर परफॉर्मेंस दे सकते हैं और यही आज कॅरियर में आगे बढ़ने का सबसे मजबूत आधार है।

यही कारण है कि आज नियमित व्यायाम तो केवल स्वास्थ्य साधन के रूप में नहीं देखा जा रहा बल्कि करियर ग्रोथ के प्रभावी टूल की तरह भी देखा जा रहा है और इसके वैज्ञानिक आधार हैं। न्यूरोसाइंस, साइकोलॉजी और हेल्थ रिसर्च लगातार यह साबित कर रहे हैं कि अच्छी नींद और फिट शरीर आज हमारे लिए पूंजी के सरीखे हैं और करियर के आईने में ये तेज रफ्तार ग्रोथ का आधार निर्मित करते हैं।

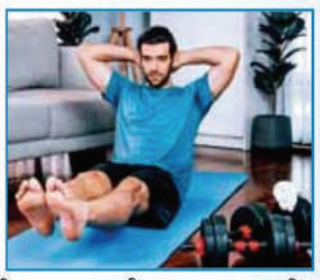

नींद-दिमाग को रिसेट करती है: नींद को अकसर आराम का विषय माना जाता है, लेकिन यह आराम से ज्यादा सक्रियता प्रदान करने के लिए तरोताजगी प्रदान करता है। जब हम सोते हैं तो हमारा दिमाग दिनभर की जानकारियों को व्यवस्थित करता है, अनावश्यक सूचना को हटाता है और महत्वपूर्ण यादों को मजबूत करता है। इसके हमें करियर ग्रोथ के रूप में कई लाभ होते हैं। सबसे पहले तो हमारी निर्णय लेने की क्षमता न सिर्फ बढ़ती है बल्कि प्रभावी होती है। दुनिया के अनेक प्रबंधन सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं कि जो सीईओ रात में पर्याप्त नींद लेते हैं, उनके निर्णय अधिक स्पष्ट, ज्यादा संतुलित और ताजगी भरे होते हैं। वास्तव में थका हुआ दिमाग का मतलब होता है, हमारी नींद डिस्टर्ब है और जब नींद डिस्टर्ब होने से हमारा दिमाग थका होता है, तो हमारे निर्णय गलत साबित होते हैं।

सीखने की रफ्तार बढ़ती है: पर्याप्त नींद लेने और नियमित व्यायाम करने से हमें सिर्फ निर्णय लेने में ही सहूलियत नहीं होती बल्कि नई तकनीक सीखने में भी हमारी गति, सामान्यतः तेज होती है। नींद की कमी से सीखने की क्षमता में 30 से 40 फीसदी तक का असर पड़ता है। जिन्हें नियमित रूप से अच्छी नींद आती है, उनका किसी भी विषय पर फोकस बेहतर होता है। आज के डिस्ट्रेक्शन भरे माहौल में भी वह अपना ध्यान जरूरी कामों और बातों पर केंद्रित कर पाते हैं। साथ ही उनका भावनात्मक संतुलन भी बना रहता है, क्योंकि नींद की कमी से चिड़चिड़ापन, तनाव और गुस्सा बढ़ता है, जो घर में ही नहीं कार्यस्थल पर भी हमें प्रभावित करता है। हमारे निजी और प्रोफेशनल रिश्तों को भी स्पष्टता देते हैं, जो कि करियर के लिए बहुत जरूरी होता है, क्योंकि इससे आत्मविश्वास भी बढ़ता है और हमारी रचनात्मकता भी निखर करके आती है।

हाई परफॉर्मेंस का सीक्रेट: कॉरपोरेट जगत में हम हाई परफॉर्मेंस सिर्फ अपनी स्किल और जानकारियों के आधार पर ही नहीं संभव कर पाते। इसके लिए शांत दिमाग और स्वस्थ शरीर भी बहुत जरूरी है और इन दोनों चीजों के लिए पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम आधार का काम करते हैं। जब नींद और व्यायाम के नतीजे को एक साथ देखा जाता है, तो यह हाई परफॉर्मेंस सिस्टम के सीक्रेट का सबसे मजबूत आधार होते हैं। अच्छी नींद और नियमित व्यायाम जब हमारी लाइफस्टाइल का हिस्सा होते हैं, तो हम हाई परफॉर्मेंस मोड पर होते हैं। जब कोई व्यक्ति 7 से 8 घंटे की नियमित और अच्छी नींद लेता है तथा हर दिन 30 मिनट का व्यायाम करता है, तो वह बहुत तेजी से सीखता है, बेहतर निर्णय लेता है, लंबे समय तक किसी भी समस्या या विषय पर अपना ध्यान फोकस करके रख सकता है और इन सबका नतीजा बेहतर कार्यक्षमता, हैप्पी फीलिंग, ज्यादा उत्पादन और ज्यादा से ज्यादा करियर रिवार्ड होता है। इसलिए कॉरपोरेट जगत की नए दस मूल्यवान सीक्रेट्स में नियमित व्यायाम और अच्छी नींद जरूरी हिस्सा बन गए हैं। डिजिटल थकान जो आज हमारी मेंटल फटीग का सबसे बड़ा कारण है, उस डिजिटल थकान से बचने का सौ फीसदी तरीका यही है कि हम नियमित रूप से हर दिन व्यायाम करें और हर रात अच्छी नींद सोएं। इसके लिए जो भी संभव उपाय हैं, उन्हें अपनाने में कोताही न बरतें। *

अपनाएं ये कारगर तरीके

सवाल है अच्छी नींद और नियमित व्यायाम का अनुशासन कैसे हासिल करें? पर्याप्त नींद के लिए जरूरी है कि हम हर रोज एक तय समय पर ही सोने की आदत डालें और एक निश्चित समय पर ही उठें। सोने से कम से कम एक-डेढ़ घंटे पहले मोबाइल स्क्रीन से खुद को पूरी तरह से दूर कर लें। रात का खाना सूरज डूबने के एक घंटे के पहले ही खा लें।

नियमित व्यायाम के लिए हर दिन नियम से 30 मिनट पैदल चलें, 10 मिनट दौड़ें और कम से कम दो योगासन रोज करें। अगर यह रोज संभव नहीं है तो सप्ताह में कम से कम पांच दिन जरूर करें, जिसमें हल्की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी शामिल हो और इस सबके लिए सुबह का समय ही सर्वश्रेष्ठ है। जरूरी नहीं है कि शुरुआत में ही आपको ये बदलाव दिख जाएंगे। पर यह सच है कि छह महीने तक अगर आपने यह रूटीन कड़ाई से पालन कर लिया तो जिंदगी भर के लिए यह हैबिट बन जाएगी।

कविता / देवांशु

युद्ध

युद्ध में
अगर तुम जीत गए
तो कहलाओगे शक्तिशाली
अपनी देश की सीमा रेखा को
और आगे बढ़ाओगे
दुनिया तुमको सलाम करेगी।
युद्ध में
अगर तुम हार गए
तो दुनिया की नजर में
कमजोर कहलाओगे
भूख, बीमारी और गरीबी से
बरसों-बरस लड़ते रहोगे।
युद्ध सिर्फ क्रूरता, अमानवीयता
मानसिक नपुंसकता को दर्शाता है
मनुष्य बनो–
मनुष्य बनने के लिए
अपने हिंसक विचारों से युद्ध करो
अगर जीत गए
सचमुच मनुष्य कहलाओगे।

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

लाइफ में लिफाफे का होना लाजिमी

कवि सम्मेलन से लौटा हूं। पारिश्रमिक का मोटा लिफाफा जेब से मुंह निकालकर बाहर झांक रहा है। बच्चे बड़े हो चुके हैं। वे सब भी लिफाफों की इंपॉर्टेंस समझने लगे हैं। हालांकि इनमें से कोई भी आठ साल से ज्यादा उम्र का नहीं है, तथापि मोबाइल और टीवी चैनलों की असमय अनुकंपा से सब वयस्क हैं। पहले के बच्चे अठारह साल में एडल्ट हुआ करते थे। आज आठ साल में हो लेते हैं।

पत्नी को भी पता है, घर का खर्च पति से नहीं, लिफाफे से चलता है। वह जानती है कि पति से महत्त्वपूर्ण पत्रम्-पुष्पम् है। यों भी एक उम्र के बाद पति की औकात भी पत्ती-फूल अर्थात घास-फूस जितनी ही रह जाती है। मेरा स्थान भी लिफाफा ले चुका है। मैं कवि सम्मेलनों में रात-रात भर जागकर खुद भी लिफाफा बन चुका हूं। आज मंचों की कविता जितनी कमजोर हुई है, लिफाफे उसी अनुपात में मोटे हुए हैं। काव्य-रुचियां विकृत हुई हैं। चुटकुले सुनाकर हजारों रुपयों का पारिश्रमिक उगाहने वाले मंचीय कवियों के साथ तालमेल रखना सार्थक कवियों की मजबूरी बन चुका है।

मंचीय कविता ही क्यों, हमारी सकल जीवनशैली ही लिफाफामय हो गई है। काम नहीं बन पा रहा हो, लिफाफा पकड़ा दो। बाबू अफसरों को, अफसर आला अफसरों को और आला अफसर मंत्रियों को लिफाफे पहुंचा रहे हैं। सत्ता के ठेकेदारों के हाथों से फिसलता हुआ एक मोटा-सा लिफाफा मेज-दर-मेज सरकता हुआ अंततः मंत्री की आलीशान कोठी में प्रवेश कर जाता है।

इस लाइफ में यह लिफाफा नहीं, तो कुछ भी नहीं। किसी के यहां से उनके बच्चे के नाम का इनविटेशन आया है। बर्थ डे है। उपहार की जगह लिफाफा दे दो। जैसी पार्टी हो, वैसा लिफाफा होगा। शादी है। निमंत्रण पत्र मिला है। गिफ्ट क्या देना? सभी लोग देंगे ही। लिफाफा दे दो। ऐसा सादा वाला नहीं। वह वाला, जिस पर एक रुपए का चमचमाता हुआ सिक्का चिपका होता है। हालांकि आज एक रुपए की कोई वैल्यू नहीं, पर शगुन के लिए एक रुपया जरूरी है। एक सौ एक या पांच सौ एक देकर अपना भी शगुन हो लेता है। विद फैमिली दावत खाने को मिलती है। लिफाफा दिया है, तो वसूल भी तो करना है। आज के दौर में शादी-ब्याह, रिश्ते-नाते सब लिफाफों में सिमटकर रह गए हैं।

पिछले साल शादी के सीजन में पचासों बारातों में गया। विवाह एक नहीं देखा। इधर जयमाल की रस्म अदायगी हुई, उधर अपन दावत पर टूट पड़े। खाया, लिफाफा पकड़ाया और अपने घर भागे। आज शादियों में बाराती तो पांच सौ जाते हैं, पर फेरों के टाइम बमुश्किल बारह-चौदह लोग होते हैं। उनमें से भी अनिवार्य रूप से दो तो वे ही हुआ करते हैं, जिनको उस रोज दूल्हा-दुल्हन कहा जाता है। अब विवाह के समय लड़का-लड़की के पिता लोग सात फेरे नहीं, लिफाफे गिनते हुए मिलते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मासूम मन की लघुकथाएं

हम सब जिस समय में जी रहे हैं, वो बहुरूपी जटिलताओं से भरा हुआ है। ऐसे जटिल समय की छवियां किस तरह हमारे नौनिहालों के मासूम मन को प्रभावित करती हैं, इसका अनुमान लगाना सरल नहीं है। लेकिन हाल में मृदुल त्यागी के संपादन में छपकर आई संकलित लघुकथाओं की पुस्तक 'मासूम मन' को इस दिशा में किया गया गंभीर प्रयास कहा जा सकता है। लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल द्वारा तैयार की गई इस पुस्तक में वरिष्ठ, मध्य और नई पीढ़ी के कुल 94 रचनाकारों की लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं हमें ऐसी पगडंडियां मुहैय्या कराती हैं, जिनके जरिए हम वर्तमान दौर के बच्चों के मनोजगत में प्रवेश कर सकते हैं। इन लघुकथाओं से गुजरते हुए बच्चों के भीतर उठने वाले सवाल, उनके मन में व्याप्त चिंताएं, उनके भय, उनकी आकांक्षाएं और उनकी कोमल संवेदनाओं से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो पुस्तक की अधिकांश लघुकथाएं अच्छी हैं लेकिन कुछ लघुकथाएं ऐसी हैं, जो हमें झकझोरती हैं और आत्मविवेचन के लिए बाध्य भी करती हैं। मिसाल के तौर पर हमारे भीतर के पाखंड को 'छुटकी का प्रश्न' उजागर करती है तो सामाजिक विसंगतियों से संघर्ष का मासूम सा हौसला 'काश' में देखा जा सकता है। उपेक्षा के मनोविज्ञान को 'मैं कहां हूं' प्रकट करती है। नन्हे बच्चे से एक गिलहरी के रिश्ते की मार्मिक कथा को 'रिश्ता' में व्यक्त किया गया है तो 'सीधी रेखा' में एक बच्चे के कोमल मन पर लगे आघात को प्रभावी तरीके से प्रकट किया गया है। *

पुस्तकः मासूम मन (लघुकथा संकलन), प्रधान संपादकः कांता रॉय, संपादकः मृदुल त्यागी, मूल्यः 325 रुपए
प्रकाशकः अपना प्रकाशन, भोपाल

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

असली चेहरा

एक दिन वैभव ने जैसे ही टीवी ऑन किया, उसमें खबर चल रही थी कि एक वृद्ध मकान मालकिन की हत्या उसके किराएदार ने कर दी। कारण था कि वो उनसे पिछले छह महीने का बकाया किराया मांग रही थी। 'स्वाति इधर आओ जल्दी... ये खबर देखी!' वैभव ने पत्नी को आवाज लगाई। स्वाति दौड़कर वहां आई। समाचार देख-सुन कर वह फूट-फूटकर रो पड़ी, 'मां...मेरी मां..ये सब कैसे हो गया?' वह बिलखने लगी। 'किस मां के लिए रो रही हो तुम... वो मां, जिन्होंने हमें अपनाया नहीं। तुम्हें भागकर मुझसे शादी करनी पड़ी।' वैभव तेज आवाज में बोला। 'तो क्या हुआ, कोई विधवा मां कभी नहीं चाहेगी कि उसकी इकलौती बेटी अपने समाज से अलग जाकर शादी करे। उसकी सोच गलत नहीं थी। पर मेरी मां को इस तरह से मार दिया गया...।' वह फिर जमीन पर बैठकर रोने लगी। 'चुप हो जाओ... और जल्दी चलो मां के घर।' वैभव ने उसे उठाते हुए कहा। 'क्या कह रहे हो तुम...। जब मैं कहती थी कि मां से मिलकर आते हैं, तब तुम कहते थे कि मैं मरते दम तक उस घर में कदम नहीं रखूंगा और अब अचानक...।' स्वाति ने हैरानी से पूछा। 'पगली...अब मैं इसलिए कह रहा हूं कि मां के जाने के बाद उस करोड़ों के मकान की तुम इकलौती वारिस हो। अगर देर कर दी तो...' वैभव ने ललचाई जुबान में कहा। 'वाह वैभव वाह...। बहुत दूर की सोचते हो तुम...। तुम्हें इस समय कहना चाहिए था कि मां के हत्यारों को सजा दिलवाकर छोड़ेंगे...।' स्वाति ने आंसू पोंछते हुए बोली। 'सजा तो उसे अब भी मिलेगी...कम या ज्यादा, लेकिन मकान हाथ से निकल गया तो...। सजा हमें मिलेगी...। जिंदगी भर इस किराए के मकान में रहने की...।' वैभव निष्ठुर भाव से बोला। स्वाति आज वैभव का असली चेहरा देख रही थी, वो चेहरा जो कभी उसकी मां दिखाने की कोशिश करती तो वह उसे देखना पसंद नहीं करती थी। *